सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" जब आप पुराने दुःख और शिकायतों को छोड़कर, वाणी में मिठास, हृदय में सकारात्मकता और प्रेम रखते हैं, तो आप न केवल अपने जीवन को हल्का और खुशहाल बनाते हैं, बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणा बनते हैं।...!! " *अज्ञात...*

वर्ष–01 अंक–99 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 29 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

भिलाई में 'नवरंगा' की दस्तक : जंगल का इंद्रधनुष फिर दिखा, पक्षी प्रेमियों में उत्साह

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अप्रैल का महीना आते ही पक्षी प्रेमियों की निगाहें जिस खास मेहमान पर टिक जाती हैं, वह है Indian Pitta, जिसे स्थानीय तौर पर नवरंगा कहा जाता है। इस साल भी इसकी आमद ने शहर के बर्ड लवर्स के बीच खासा उत्साह पैदा कर दिया है, हालांकि अब यह पक्षी भिलाई में बहुत कम स्थानों पर ही नजर आ रहा है।

© imran

मशहूर फोटोग्राफर इमरान अहमद अंसारी ने सोशल मीडिया पर नवरंगा की बेहद खूबसूरत तस्वीरें साझा की हैं, जो तेजी से चर्चा में हैं। अंसारी के अनुसार, नवरंगा फिलहाल यहां रेयर हो चुका है, लेकिन किस्मत से इसकी कुछ शानदार झलक कैमरे में कैद हो गई।

नौ रंगों से सजा 'नवरंगा'

Indian Pitta को 'नवरंगा' नाम इसके शरीर पर दिखने वाले नौ अलग–अलग रंगों के कारण मिला है। इसकी पीठ पर हरा, पूंछ के पास नीला, कंधों पर फिरोजी, आंखों पर काली पट्टी, गले में सफेद, पेट में पीला, नीचे नारंगी–भूरा, वेंट के पास लाल और सिर–पंखों पर भूरा रंग दिखाई देता है। इसी बहुरंगी खूबसूरती के कारण इसे जंगल का इंद्रधनुष भी कहा जाता है।

कम होती मौजूदगी ने बढ़ाई चिंता

विशेषज्ञों का मानना है कि शहरीकरण और हरित क्षेत्रों में कमी के कारण इस प्रवासी पक्षी की मौजूदगी अब सीमित होती जा रही है। पहले जहां यह कई स्थानों पर दिख जाता था, वहीं अब भिलाई में गिने–चुने इलाकों में ही इसकी झलक मिलती है। फिलहाल, नवरंगा की यह दुर्लभ मौजूदगी प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी सौगात से कम नहीं है।

सायनी घोष : स्टारडम से सियासत तक, पहचान, संपत्ति और विवादों के बीच उभरता चेहरा

विशेष संवाददाता संदीप सिंह/ कोलकाता

बंगाल की राजनीति में इन दिनों जिन युवा चेहरों की सबसे ज्यादा चर्चा है, उनमें सयानी घोष का नाम तेजी से उभरा है। अभिनय की दुनिया से राजनीति में आईं सायनी घोष अब ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख युवा आवाज के रूप में स्थापित होती दिख रही हैं।

संपत्ति और प्रोफाइल

चुनावी हलफनामों के मुताबिक सायनी घोष की संपत्ति करोड़ों में आंकी जाती है, जिसमें बैंक बैलेंस, निवेश और अन्य चल–अचल संपत्तियां शामिल हैं। उनका शुरुआती करियर अभिनय से जुड़ा रहा, जो उनकी आय का प्रमुख स्रोत रहा है, जबकि अब वे सक्रिय राजनीति में पूरी तरह जुड़ी हुई हैं।

चुनावी मैदान में बढ़ती भूमिका

पश्चिम बंगाल की सियासत परंपरागत रूप से हाई–वोल्टेज रही है, जहां हर चुनाव में वैचारिक और सामाजिक समीकरणों की तीखी टक्कर देखने को मिलती है। ऐसे माहौल में तृणमूल कांग्रेस युवा चेहरों को आगे कर अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है, जिसमें सायनी घोष अहम भूमिका निभाती नजर आती हैं।

गाने से सियासत तक : नया विवाद

हाल के चुनाव प्रचार के दौरान सायनी घोष द्वारा हृहदय माझे काबा, नयने मदीनाह्व गीत गाए जाने का मामला भी चर्चा में है। यह गीत कई चुनावी सभाओं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल हुआ है। इस पर विपक्ष, खासकर भारतीय जनता पार्टी, ने इसे तुष्टीकरण की राजनीति करार दिया है। वहीं तृणमूल कांग्रेस के समथर्को का कहना है कि बंगाल की सांस्कृतिक विविधता और समावेशी परंपरा को दर्शाने के लिए इस तरह के प्रतीकों का इस्तेमाल किया जाता रहा है।

स्टारडम से सियासत तक का सफर

सायनी घोष ने 2021 के विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल 2021 के दौरान सक्रिय राजनीति में कदम रखा। इसके बाद पार्टी की युवा इकाई में उनकी भूमिका लगातार मजबूत होती गई। बेबाक बयानों, आक्रामक प्रचार शैली और सोशल मीडिया पर सक्रियता ने उन्हें कम समय में ही सुखिर्यों में ला दिया।

सियासी संदेश और असर

विश्लेषकों का मानना है कि बंगाल की राजनीति में सांस्कृतिक और धार्मिक प्रतीकों का इस्तेमाल नया नहीं है, लेकिन चुनावी दौर में ऐसे मुद्दे तेजी से राजनीतिक रंग ले लेते हैं। इससे ध्रुवीकरण की बहस भी तेज हो जाती है। सायनी घोष की पहचान अब सिर्फ एक अभिनेत्री तक सीमित नहीं रही। वे बंगाल की नई पीढ़ी की उन नेताओं में शामिल हैं, जो जमीनी राजनीति और डिजिटल प्लेटफॉर्म दोनों पर सक्रिय हैं। आने वाले चुनावों में उनकी भूमिका और प्रभाव कितना बढ़ता है, इस पर राजनीतिक हलकों की नजर बनी हुई है।

पूरे मामले में बड़े नेटवर्क के शामिल होने का संकेत

भारतमाला मुआवजा घोटाला : ईडी के छापे में 66 लाख नकद, 37 किलो चांदी बरामद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारतमाला परियोजना में मुआवजा घोटाले की जांच ने अब बड़ा मोड़ ले लिया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ताबड़तोड़ कार्रवाई में भारी मात्रा में नकदी, चांदी और डिजिटल साक्ष्य बरामद हुए हैं, जिससे इस पूरे मामले में बड़े नेटवर्क के संकेत मिल रहे हैं।

8 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी

एऊके रायपुर जोनल कार्यालय ने 28 अप्रैल को PMLA, 2002 के तहत अभनपुर, रायपुर, धमतरी और कुरुद में कुल 8 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई रायपुर–विशाखापत्तनम आर्थिक कॉरिडोर के तहत भूमि अधिग्रहण मुआवजे में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में की गई।

सरकारी खजाने को करोड़ों का नुकसान

जांच एजेंसियों का मानना है कि हेरफेर किए गए खसरा रिकॉर्ड के आधार पर मुआवजा स्वीकृत कर सरकारी खजाने को बड़ा नुकसान पहुंचाया गया, जबकि आरोपियों ने इसे अपराध की आय के रूप में हासिल किया। फिलहाल ईडी जब्त दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों की गहन जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, आने वाले दिनों में इस घोटाले में और बड़े नाम सामने आ सकते हैं।

नकदी, चांदी और डिजिटल एविडेंस जब्त

तलाशी के दौरान एजेंसी को 66 .9 लाख रुपये नकद, 37 .13 किलोग्राम चांदी (ईंट और जेवरात), डिजिटल उपकरण और कई आपत्तिजनक दस्तावेज मिले हैं। जब्त सामग्री को जांच में अहम सबूत माना जा रहा है।

फर्जी दस्तावेजों से बढ़ाया मुआवजा

ईडी के अनुसार, आरोपियों ने सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से भूमि रिकॉर्ड में हेरफेर कर मुआवजा राशि बढ़ा–चढ़ाकर हासिल की। जांच में सामने आया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम के तहत अधिसूचना के बाद भी जमीन का फर्जी हस्तांतरण और छोटे–छोटे हिस्सों में विभाजन कर अतिरिक्त मुआवजा लिया गया।

ACB/EOW की FIR से शुरू हुई जांच

यह पूरा मामला तब सामने आया, जब ACB/EOW रायपुर ने अभनपुर के तत्कालीन राजस्व SDO निर्भय साहू समेत अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और क्श्ढउ की धाराओं में FIR दर्ज की थी। उसी के आधार पर एऊने मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज कर जांच शुरू की।

जनसंवाद से लेकर सामाजिक आयोजनों तक सक्रिय हैं इंद्रजीत

समस्याओं के समाधान का दिलाया भरोसा, विवाह समारोह में दी बधाई व शुभकामनाएँ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कोहका स्थित सर्व समाज कल्याण समिति कार्यालय में इंद्रजीत सिंह छोटू ने क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, वरिष्ठजनों, माताओं–बहनों एवं युवाओं से आत्मीय मुलाकात कर सार्थक संवाद किया। इस दौरान लोगों ने अपनी समस्याएँ एवं महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए, जिन्हें गंभीरता से सुनते हुए उन्होंने त्वरित समाधान के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

जनसंवाद के इस क्रम में सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने आमजन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की और आगे भी निरंतर संवाद बनाए रखने की बात कही।

वहीं आर्यनगर, कोहका स्थित 'बीरा जी के अंगना' में शंकर लाल साहू की सुपुत्रियों सौ. कां. प्रतिमा एवं सौ. कां. अंजली के वैवाहिक समारोह में शामिल होकर नवदंपतियों को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने ईश्वर से दोनों के सुखद, समृद्ध और मंगलमय दांपत्य जीवन की कामना की। सामाजिक सहभागिता और जनसंवाद के जरिए इंद्रजीत सिंह छोटू क्षेत्र में लोगों के बीच मजबूत जुड़ाव बनाए हुए हैं।

कंकाल लेकर बैंक पहुंचा भाई : 19 हजार के लिए तंत्र से हारा इंसान, व्यवस्था पर खड़े हुए सवाल

नई दृष्टिबिंदु / ओडिशा

इंसानियत को झकझोर देने वाली एक घटना में एक भाई अपनी मृत बहन का कंकाल लेकर बैंक पहुंच गया। महज 19,300 रुपये निकालने की कोशिश में उसने जो कदम उठाया, उसने पूरे सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, केंदुझर जिले में जीतू मुंडा नामक व्यक्ति अपनी दिवंगत बहन कालरा मुंडा के बैंक खाते से पैसे निकालना चाहता था। लेकिन बैंक की औपचारिकताओं ने उसकी राह रोक दी। बैंक अधिकारियों ने उससे मृत्यु प्रमाण पत्र या खाताधारक को व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत करने की बात कही।

गरीबी व अज्ञानता बनी मजबूरी

बताया जा रहा है कि जीतू मुंडा गरीब और अशिक्षित है, जिसे कानूनी प्रक्रियाओं की जानकारी नहीं थी। बार–बार बैंक के चक्कर लगाने के बावजूद जब उसकी समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो उसने एक ऐसा कदम

उठा लिया, जिसकी कल्पना भी मुश्किल है।

कब्र खोदकर कंकाल लेकर पहुंचा बैंक

हताश होकर जीतू ने अपनी बहन की कब्र खोदी, उसका कंकाल बोरी में रखा और करीब 5 किलोमीटर पैदल चलकर ओडिशा ग्रामीण बैंक की शाखा पहुंच गया। यह दृश्य देखते ही बैंक परिसर में हड़कंप मच गया।

पुलिस हस्तक्षेप के बाद मामला शांत

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। अधिकारियों ने जीतू को आश्वासन दिया कि आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे राशि मिल जाएगी। बाद में बहन के अवशेषों को पुनः सम्मानपूर्वक दफनाया गया।

व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

यह घटना केवल एक व्यक्ति की मजबूरी नहीं, बल्कि उस तंत्र की विफलता को उजागर करती है, जहां एक आम आदमी अपनी छोटी सी जरूरत के लिए इस हद तक जाने को मजबूर हो जाता है। सवाल यह है कि क्या सिस्टम इतना जटिल हो चुका है कि इंसानियत कहीं पीछे छूट गई है ?

बिना रिजल्ट मांगे जा रहे एग्जाम फॉर्म, दुर्ग विश्वविद्यालय पर छात्रों का फूटा गुस्सा

विश्वविद्यालय के हजारों विद्यार्थियों पड़े असमंजस में, व्यवस्था सुधारने की उठी मांग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अपने फैसलों को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाला दुर्ग विश्वविद्यालय एक बार फिर सवालों के घेरे में है। इस बार मामला परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया को लेकर है, जिसने हजारों विद्यार्थियों को असमंजस में डाल दिया है।

विश्वविद्यालय ने 16 अप्रैल 2026 को आगामी सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए फॉर्म भरने का नोटिस जारी किया, जिसमें अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित की गई है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि दिसंबर–जनवरी में हुई पिछली सेमेस्टर परीक्षाओं के परिणाम अब तक घोषित नहीं किए गए हैं।

बिना रिजल्ट कैसे भरें फॉर्म?

विद्यार्थियों का कहना है कि परीक्षा फॉर्म

भरने के दौरान पिछले सेमेस्टर का परिणाम दर्ज करना अनिवार्य होता है। ऐसे में बिना रिजल्ट जारी किए फॉर्म भरने का आदेश देना न केवल अव्यवहारिक है, बल्कि छात्रों के साथ अन्याय भी है।

तीन महीने बाद भी रिजल्ट गायब

छात्रों का आरोप है कि तीन महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद परिणाम जारी नहीं किया गया, जबकि अब नए सेमेस्टर के फॉर्म भरने का दबाव बनाया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों के सामने बड़ी दुविधा खड़ी हो गई है।

विलंब शुल्क पर भी उठे सवाल

नोटिस में यह भी स्पष्ट किया गया है कि तय तिथि के बाद फॉर्म भरने पर विलंब शुल्क देना होगा। इस पर छात्रों ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब विश्वविद्यालय समय पर परिणाम जारी नहीं कर पा रहा, तो फिर छात्रों पर पेनाल्टी क्यों ?

कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल

पूर्व छात्रसंघ सचिव राहुल कुमावत ने इस पूरी प्रक्रिया को हास्यास्पद और अव्यवस्थित बताते हुए कहा कि केवल तारीख बढ़ा देने या बाद में परिणाम जारी करने से विश्वविद्यालय अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकता। फिलहाल छात्रों की मांग है कि पहले लंबित परिणाम घोषित किए जाएं और उसके बाद ही परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू की जाए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

पशुवध गृह व मांस बिक्री की दुकानें 1 मई को बंद रखी जावेगी

भिलाई। छग शासन के पर्यावरण एवं नगरीय विकास विभाग के आदेशानुसार नगर पालिक निगम भिलाई सीमा के अन्तर्गत संचालित पशुवध गृह एवं समस्त मांस विक्रय की दुकानें 1 मई 2026 को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर बंद रखी जावेगी।

पुलिस परिवार के लिए ब्रेस्ट कैंसर डिटेक्शन शिविर, 102 लोगों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य संरक्षण और महिला स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 25 अप्रैल 2026 को रक्षित केन्द्र दुर्ग में ब्रेस्ट कैंसर डिटेक्शन शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर धन्वंतरी जन कल्याण समिति रायपुर के सहयोग से आयोजित हुआ, जिसमें कुल 102 हितग्राहियों ने स्वास्थ्य परीक्षण और विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया।

शिविर के दौरान जांच में 5 महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के प्रारंभिक लक्षण चिन्हित किए गए। विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उन्हें तत्काल परामर्श देते हुए समयबद्ध उपचार के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही कैंसर से बचाव, शुरुआती पहचान और स्वस्थ जीवनशैली पर आधारित जागरूकता कायर्शाला भी आयोजित की गई।

कार्यक्रम में उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार और दैनिक व्यायाम अपनाकर गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने पुलिस कर्मियों से अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की अपील की। पुलिस अस्पताल दुर्ग के डॉ. सुधीर गांगेय (एमडी मेडिसिन) ने तनावमुक्त जीवनशैली और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने ब्रेस्ट कैंसर की प्रारंभिक पहचान को जीवन बचाने में अहम बताया। शिविर में मौजूद विशेषज्ञ चिकित्सकों ने महिलाओं को इस बीमारी के लक्षण, बचाव और उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक (लाइन) चंद्र प्रकाश तिवारी, रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही डॉ. सूर्यप्रकाश सक्सेना (जनरल सर्जरी), डॉ. रजनीश मल्होत्रा (पीडियाट्रिक), डॉ. अजय गोवर्धन (फिजिशियन), डॉ. ज्ञानेश मिश्रा (पीडियाट्रिक) एवं डॉ. पी.यू. प्रकाश सक्सेना (ऑन्कोलॉजिस्ट) की टीम ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श प्रदान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में रक्षित केन्द्र दुर्ग स्टाफ, पुलिस अस्पताल दुर्ग की टीम एवं आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों-कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खास खबर

बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए गंजपारा वार्ड पार्षद प्रतिभा ने की ऐतहासिक मिसाल क़याम

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

इस भीषण गर्मी में आसमान से आग बरस रही है। गर्मी में मानव हो या फिर पशु-पक्षी सभी को ठंडे जल की तलाश रहती है। लोगों के लिए तो जगह-जगह प्याऊ व नल के साथ ही पानी की उचित व्यवस्था मिल ही जाती है और व्यवस्था न होने पर वे अपनी जबान से मांगकर पानी पी सकते है क्योकि मानव बोल सकता है लेकिन पशु पक्षियों को पानी के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ता है, क्योकि वे तो बेजुबान होते है। किसी को अपनी प्यास या भूख के लिए बता भी नही सकते ऐसे में लोगों की जिम्मेदारी है कि वे पशुपक्षियों के लिए दाना व पानी की उचित व्यवस्था कर अपने जिम्मेदारी का निर्वाहन करें।

इस भीषण गर्मी को देखते हुए गंजपारा वार्ड की पार्षद प्रतिभा सुरेश गुप्ता ने बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए भी दाना-पानी का इंतजाम करने का अभियान शुरू कर दिया। इस अभियान के तहत पूरे वार्ड में गौ माता एवं अन्य पशुओं के लिए सीमेंट से बना कोटना एवं घरों की छत में पक्षियों के दाना पानी रखने के लिए मिट्टी से बने सकोरे का वितरण किया जा रहा है।

पार्षद प्रतिभा सुरेश गुप्ता ने कहा कि पानी अनमोल है, इसके बिना जीवन संभव नहीं है। दिनों दिन बढ़ती गर्मी के चलते आज बेजुबान पशु-पक्षियों के समक्ष दाना और पानी की समस्या आ गई है। हम इंसान को भूख और प्यास की तड़प व्याकुल कर देती है, तब यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि बेजुबान पशु-पक्षियों की क्या हालत होती होगी। उन्होंने कहा कि गर्मी के चार महीने हम उनके लिए अपने घर और आसपास दाना-पानी की व्यवस्था कर दें, तो इससे बड़ा पुण्य का और कोई दूसरा काम नहीं होगा।

युवा नेता सुजल शर्मा ने बताया कि पार्षद प्रतिभा सुरेश गुप्ता द्वारा विगत 4 दिनों से अपने पूरे वार्ड जिसमें जीवन प्लाजा के पीछे बांधा तालाब गंजपारा सत्तीचौरा में सौ सौ मीटर की दूरी पर सीमेंट से बने कोटना एवं घर घर में जाकर मिट्टी के सकोरे का वितरण किया गया।

पार्षद द्वारा घर घर जाकर लोगो से अपील भी की गई कि अपने घरों के समाने रखे गौ माता एवं अन्य पशुओं के दाना पानी हेतु रखे गए कोटना की प्रतिदिन सफाई करके उसमें साफ पानी भरे एवं प्रतिदिन अपने घरों के छत पर रखे सकोरे पर पानी डाले ताकि कोई भी पशु पक्षी प्यास से न मरे। पार्षद प्रतिभा सुरेश गुप्ता ने वार्ड में 50 नग सीमेंट का कोटना एवं 200 नग मिट्टी के सकोरे का वितरण किया।

नगर सेवाये विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार, अवैध क़ब्जे और टाउनशिप में व्याप्त अनियमितताओं पर अधिकारियों से की चर्चा

टाउनशिप के विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रबंधन के साथ भिलाई इस्पात मजदूर संघ यूनियन की हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात मजदूर संघ यूनियन की बैठक संघ के महामंत्री चन्ना केशवलू के नेतृत्व में टाउनशिप अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से टाउनशिप के महाप्रबंधकगण एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। प्रबंधन की ओर से अतुलनौटियाल,केके यादव,विष्णु पाठक, एमके साहू,नवीन कुमार जैन एवं अन्य विभागों से संबंधित अधिकारी उपस्थिति रहे। बैठक में टाउनशिप नगर सेवाये विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार और अवैध क़ब्जे एवं टाउनशिप में व्याप्त अनियमितताओं पर अधिकारियों से चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया।

यूनियन ने प्रबंधन के समक्ष अपनी नाराजगी जाहिर की एवं प्रबंधन को पदाधिकारियों ने बताया कि भिलाई इस्पात संयंत्र (टाउनशिप की विभिन्न समस्याओं के निराकरण एवं व्यवस्था सुधार हेतु टाउनशिप में व्याप्त समस्याओं एवं अनियमितताओं को जल्द निराकरण करने की मांग प्रबंधन से की गई। भिलाई इस्पात मजदूर संघ यूनियन द्वारा प्रबंधन को टाउनशिप से सम्बंधित विभिन्न मांगों को शीघ्र निराकरण करने हेतु विभिन्न मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा गया एवं विभिन्न मुद्दों पर ध्यान आकर्षित कराया। भिलाई इस्पात संयंत्र के टाउनशिप की कुछ गंभीर समस्याओं की ओर प्रबंधन का ध्यान आकर्षित करवाया गया। जो वर्तमान में टाउन एरिया के निवासियों के लिए असुविधा का कारण बनी हुई हैं।

मकानों का सब्जेक्टूव्शन शुरू किया जाए । मकानों के बेकलेन की सफाई की जाए एवं सभी नालों की सफाई की जाए। मकानों के पीछे गटर का ढक्कन लगाया जाए यौन झाड़ी कटवाया जाए। मकान के पीछे गटर लाइन एवं पिनें का पाइपलाइन एक हाथ होने के कारण गंदा पानी घरों में आ रहा है इसमें सुधार किया जाए एवं पाइप लाइन को बदला जाए । कई स्कूलों एवं सामाजिक भवनों द्वारा मैदान में अवैध रूप से क़ब्जा कर लिया गया है इन कब्जों को तत्काल हटाया जाए ।

सेक्टर-4 में पीने के पानी के समय में परिवर्तन कर सभी जगहों पर एक साथ एक समय पर पानी पहुँचाने का कार्य करे ताकि जनरल शिफ़्ट वालों को कोई परेशानी न हो। सेक्टर-6 ई (मछली)मार्केट से एम जी एम तक सड़क पर अवैध अतिक्रमण के कारण लोगों को आवागमन में बाधित हो रहा है। तत्काल अतिक्रमणकारियों पर कारर्वाई करने की मांग यूनियन करता है। टाउनशिप के सभी पोल पर स्ट्रीट लाइट जहाँ लाइट नहीं जल रहा है वहाँ लाईट लगाने एवं प्रकाश की उचित व्यवस्था की जाए ।

अतः प्रबंधन जनहित में इन समस्याओं का संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को उचित कार्रवाई हेतु निर्देशित करें एवं बारिश के पूर्व इन सभी मुद्दों को शीघ्र निराकरण किया जाए । नई तो नागरिकों का आक्रोश प्रबंधन के खिलाफ कभी भी उग्र रूप ले सकता है। समय रहते इन सभी मुद्दों का निराकरण शीघ्र किया जाए। नहीं तो यूनियन कर्मचारियों के साथ मिलकर प्रदर्शन एवं आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा जिसकी पूर्ण ज़िम्मेदारी प्रबंधन की होगी। बैठक में प्रमुख रूप से संघ की ओर से वरिष्ठ उपाध्यक्ष सन्नी ईपपन, जगजीत सिंह, सुधीर गडेवाल, मृगेंद्र कुमार संयुक्त महामन्त्री प्रदीप कुमार पाल, अनिल कुमार गजभिये, जोगेंद्र कुमार,भूपेन्द्र बंजारे, सचिव गंगा राम चौबे, अखिलेश उपाध्याय, संतोष सिंह , कोषाध्यक्ष रवि चौधरी आदि उपस्थित थे ।

इन प्रमुख मुद्दों पर हुई चर्चा

आवास आवंटनः नियमित बीएसपी कमर्चारियों के लिए रिक्त आवासों के आवंटन की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए एवं सरलीकरण किया जाए।

विद्युत सुधारः टाउनशिप के पुराने आवासों में बिजली की वायरिंग और स्विच बोर्ड खराब हो चुके हैं। सुरक्षा की दृष्टि से इन्हें बदला जाना आवश्यक है।

खटालों का निष्कासनः आवासीय क्षेत्रों से गाय-भैंसों के अवैध खटाल हटाए जाएं। सड़कों पर आवारा पशुओं ,कुत्ते एवं सुअरो के कारण आए दिन दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।

यातायात व्यवस्थाः फॉरेस्ट एवेन्यू रोड और गैरेज रोड पर बढ़ते दबाव को देखते हुए इन्हें 'वन-वे' घोषित किया जाए।

छतों का रखरखावः आगामी मानसून को देखते हुए सभी बीएसपी आवासों की छतों पर 'टारपेलटिंग का कार्य समय से पूर्व पूर्ण किया जाए।

अवैध कब्जाः टाउनशिप में अवैध रूप से कब्जा किए गए मकानों पर सख्त कारर्वाई की जाए, ताकि असामाजिक गतिविधियों और अपराध पर लगाम लग सके।

बाजार क्षेत्रः मार्केट एरिया में अवैध ठेलों और अतिक्रमण के कारण सड़कें जाम रहती हैं। सुचारू आवागमन के लिए इन्हें व्यवस्थित किया जाए।कई सेक्टर के मार्केट में कबाड़ी की दुकान संचालन किया जा रहा है जिससे गंदगी और बदबू का आलम बना हुआ है जिससे व्यापारी और आम नागरिक परेशान हैं ।

पेयजल आपूर्तिः भीषण गर्मी को देखते हुए टाउनशिप में दिन में दो बार पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

व्यापारी नेता बड़जात्या का कुशलक्षेम जानने सांसद विधायक व भाजपा अध्यक्ष पहुंचे उनके निज निवास

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के दुर्ग जिला इकाई चेयरमैन और सदर बाजार व्यापारी संघ के अध्यक्ष पवन बड़जात्या पिछले दिनों धमधानाका ओव्हरब्रिज में एक सड़क हादसे में घायल हो गए। अब वे पैर के सफल ऑपरेशन उपरांत घर में स्वास्थ्य लाभ ले रहे है।

श्री बड़जात्या से दुर्ग सांसद विजय बघेल, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, विधायक रिकेश सेन, पूर्व विधायक अरुण वोरा, महापौर अलका बाघमार, जिला भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ अध्यक्ष तेखन सिन्हा, भाजपा नेता संदीप जैन के अलावा अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। बता दें कि व्यापारी नेता पवन बड़जात्या द्वारा दुर्ग में व्यापार को बढ़ावा देने व्यापारी हित में कई उल्लेखनीय

कार्य किए गए है। वे लंबे समय से व्यापारिक संगठनों के विभिन्न पदों को बखूबी संभाल चुके है। जिसकी वजह से व्यापारी उन्हें सम्मान के साथ भीष्म पितामह की संज्ञा भी देते है। फलस्वरुप उनका कुशलक्षेम जानने जनप्रतिनिधि, व्यापारी नेता के अलावा विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उनके घर पहुंच रहे है।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण व डिजिटलीकरण पर दिए दिशा-निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज प्राचीन पांडुलिपियों के संग्रहकर्ता राम कुमार वर्मा से मुलाकात कर उनके द्वारा संकलित दुर्लभ पांडुलिपियों का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर ने पांडुलिपियों के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर विस्तृत चर्चा की।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि प्राचीन पांडुलिपियां हमारी समृद्ध विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिनका संरक्षण एवं संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि जिले के आम नागरिकों से अपील करता हूं कि अगर आपके पास प्राचीन पांडुलिपियां उपलब्ध है तो जिला प्रशासन से संपर्क कर या फिर क्षेत्र सर्वेयरों से संपर्क कर उसे प्रशासन को अवश्य उपलब्ध कराएं उन्होंने संबंधित अधिकारियों

को निर्देशित किया कि इन पांडुलिपियों को सुरक्षित रूप से संरक्षित करते हुए चरणबद्ध तरीके से डिजिटल माध्यम में परिवर्तित कर निर्धारित पोर्टल पर अपलोड किया जाए, ताकि यह अमूल्य धरोहर आमजन एवं शोधकर्ताओं के लिए सुलभ हो सके।

कल्याण कॉलेज में अर्डिनो पर प्रैक्टिकल बेस्ड वर्कशॉप, किया प्रोटोटाइप ड्रोन का प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शिक्षाधानी भिलाई के सेक्टर-7 स्थित कल्याण पीजी कॉलेज में अडिनी वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कॉलेज के फिजिक्स डिपाटर्मेंट द्वारा वॉबल लैब और एसएसआईपीएमटी, रायपुर के (एआईसीटीई आइडिया लैब) के सहयोग से आयोजन हुआ। इसमें अडिनी और इसके कृषि, रक्षा और चिकित्सा परियोजनाओं में उपयोगी और महत्वपूर्ण विषय पर सात दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप का उद्देश्य स्टूडेंट्स को जरूरी स्किल्ड प्रदान करना और उन्हें इनोवेटिव टेक्निक्स के वास्तविक अनुप्रयोगों से अवगत कराना है।

इस वर्कशॉप के दूसरे दिन अनेक उपयोगी प्रोटोटाइप और उपकरणों का प्रदर्शन किया गया। इसमें अडिनी पर आधारित कृषि स्वचालन के लिए अडिनी कीट, फसल और सुरक्षा निगरानी के लिए ड्रोन, चार किलोग्राम चिकित्सा आपूर्ति और सर्वेक्षण के लिए ड्रोन, आठ किलोग्राम क्वाडकॉप्टर प्रमुख रहे। इन प्रदशर्नों ने स्टूडेंट्स का विशेष ध्यान आकर्षित किया और उन्हें टेक्निक्स के व्यावहारिक पक्ष को समझने का अवसर मिला। इस इवेंट कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ.विनय शर्मा, वाइस प्रिंसिपल डॉ.लखन चौधरी, कॉमर्स फैकल्टी के हेड डॉ.सलीम अकील, बॉयोटेक्नालॉजी डिपाटर्मेंट की हेड डॉ.सौम्या खरे, केमेस्ट्री डिपाटर्मेंट के हेड डॉ. नरेश चंद्र देशमुख, एनसीसी बॉयज विंग के हेड डॉ. हरीश कश्यप, फिजिक्स डिपाटर्मेंट की हेड डॉ.नीलम शुक्ला के साथ ही फिजिक्स डिपाटर्मेंट के प्रोफेसर्स मौजूद रहे।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्टूडेंट्स को सैद्धांतिक नॉलेज के साथ ही साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना और इंडस्ट्रियल बेस्ड टेक्निक डेवलपमेंट की दिशा में प्रेरित करना रहा। वॉबल लैब की औद्योगिक प्रतिनिधि टीम में संस्थापक पुरुषोत्तम अजय कुमार, सह संस्थापक सिद्धार्थ सिंह, प्रोजेक्ट एसोसिएट आबिद खान, डायरेक्टर और डीजीसीए प्रमाणित इंस्ट्रक्टर पायलट पंकज कुमार यादव, तकनीकी सहयोगी सैलेश प्रजापति, केशव और अन्य मौजूद रहे।

एक्सपर्ट्स ने अडिनी की मूलभूत अवधारणाओं के साथ-साथ यह भी बताया कि इसे स्मार्ट कृषि प्रणाली, रक्षा निगरानी और चिकित्सा आपूर्ति जैसे फील्ड में किस तरह से प्रभावी रूप से उपयोग किया जा सकता है। स्टूडेंट्स ने ड्रोन तकनीक, ऑटोमेशन सिस्टम और रोबोटिक्स के फील्ड में कैरियर संभावनाओं से संबंधित प्रश्न भी पूछे गए। कॉलेज के प्रिंसिपल के द्वारा इस तरह से उपयोगी कायर्शालाओं को विद्यार्थियों के तकनीकी करियर के लिए बेहद महत्वपूर्ण और उपयोगी बताया।

पीएम मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात की 133वीं कड़ी का आयोजन कार्यकर्ता व नागरिकों ने सामूहिक रूप से सुना

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात की 133वीं कड़ी का आयोजन जिला, मंडल एवं बूथ स्तर तक व्यापक रूप से किया गया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नागरिकों ने कार्यक्रम को सामूहिक रूप से सुना।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में Beting Retret समारोह की भव्यता, भारतीय संगीत की बढ़ती भूमिका तथा सशस्त्र बलों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि अब इस समारोह का संगीत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे देशवासी अपनी सैन्य परंपराओं से और अधिक जुड़ सकें। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण के प्रेरक उदाहरण भी साझा किए, जिनमें कच्छ के रण में फ्लेमिंगो पक्षियों का संरक्षण, उत्तर प्रदेश में गज मित्र पहल तथा छत्तीसगढ़ में काले हिरण की बढ़ती संख्या शामिल हैं।

उन्होंने नॉर्थ-ईस्ट में बांस उद्योग की सफलता, महिला सशक्तिकरण एवं रोजगार सृजन की सराहना करते हुए स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। साथ ही, National Archives of India द्वारा ऐतिहासिक दस्तावेजों के डिजिटलीकरण की पहल को भी महत्वपूर्ण बताया। प्रधानमंत्री ने गणित ओलंपियाड में भारतीय छात्राओं की

उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया तथा जनगणना 2027 में डिजिटल भागीदारी को आसान और सुरक्षित बताया। अपने संदेश में उन्होंने भारतीय खाद्य परंपराओं, विशेष रूप से भारतीय चीज की वैश्विक पहचान, तथा गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के महत्व का भी उल्लेख किया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि मन की बात समाज में जागरूकता, प्रेरणा और सकारात्मक परिवर्तन लाने का एक प्रभावी माध्यम है। अंत में सभी कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों का आभार व्यक्त किया गया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, नटवर ताम्रकार, गोपाल कृष्ण वर्मा, पूनम शुक्ला, चंद्रकांता मांडले, चिन्ना केशवलू, महामंत्री मनीष अग्रवाल, सुषमा जेठानी, मंत्री विनोद सिंह, रश्मि सिंह, भारती साहू, मनोज तिवारी, पारस जंघेल, कुबेर शर्मा, कोषाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, कार्यालय प्रभारी योगेंद्र सिंह, कार्यालय सह प्रभारी राजेंद्र सिंह,तिलक राज यादव, कार्यालय मंत्री सचिन ताम्रकार, प्रवक्ता प्रेम लाल साहू, विजय सिंह, सूरज जायसवाल (मीडिया सह प्रभारी), सोशल मीडिया प्रभारी रवि कश्यप, रिंकू साहू, ज्ञानदास मानिकपुरी, दीप पटेल, आईटी सेल बॉबी चौहान, सुभाष शर्मा, मो. जाकिर हुसैन, महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी कौशिक, अनुसूचित जनजाति अध्यक्ष तुलसी राम ध्रुव, पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष दिनेश देवांगन, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष खगेश केसरिया, मंडल अध्यक्ष एवं मंडल महामंत्री सहित अनेक कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

राजस्व कार्यों में ढिलाई पर सख्त :लंबित प्रकरणों के निपटारे और राजस्व वसूली में तेजी लाने निर्देश

लापरवाह अधिकारी-कर्मचारी पर होगी सख्त कार्रवाई-राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को विस्तृत दिशा निर्देश दिए। बैठक में मुख्य रूप से सुशासन, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से जनहितैषी कार्यों को पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में उन्होंने राजस्व प्रकरणों के निराकरण, आपदा प्रबंधन की तैयारियों और विभागीय आधुनिकीकरण पर विशेष चर्चा की।

राजस्व प्रकरणों के त्वरित निपटारे पर दिया गया जोर

बैठक में नामांतरण, बंटवारा, त्रुटि सुधार और सीमांकन जैसे राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की जिलेवार समीक्षा की गई। मंत्री श्री वर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि त्रुटि सुधार संबंधी प्रकरणों का

निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए। यदि समय-सीमा में कार्य नहीं होता है, तो लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रावधानों के तहत संबंधितों पर कार्यवाही की जाएगी।

इसी तरह मंत्री श्री वर्मा ने कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता लाने के लिए एग्रीस्टेक के तहत जियोरिफ्रेसिंग, डिजिटल क्रॉप सर्वे और फार्मर रजिस्ट्री के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही, नक्शा प्रोजेक्ट और जियोरिफ्रेसिंग के कार्यों में हो रहे विलंब को अगले 03 महीनों के भीतर पूरा करने के कड़े निर्देश दिए।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में आबादी पट्टा वितरण हेतु दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इस संबंध में राजस्व अधिकारी 31 जुलाई तक सभी लाभान्वित हितग्राहियों की जानकारी उपलब्ध कराएं। इसी तरह आगामी समय को देखते हुए। आपदा प्रबंधन की तैयारी में किसी प्रकार की कोई कमी नही होना चाहिए।आकाशीय बिजली से बचाव और स्कूल तथा अस्पताल भवनों की सुरक्षा के लिए निर्देश दिए। इसके साथ ही, अग्निशमन सेवाओं के आधुनिकीकरण के लिए प्राप्त राशि का समुचित व्यय सुनिश्चित करने हेतु चिन्हित जिलों में अतिशीघ्र कायर्वाही के भी निर्देश दिए।

बैठक में मंत्री श्री वर्मा ने हितग्राही मूलक योजनाओं दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना और स्वामित्व योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्वामित्व कार्ड वितरण में तेजी लाने हेतु आगामी 03 महीनों का लक्ष्य निर्धारित किया। इसी तरह राजस्व निरीक्षकों के कायर्भार और तहसीलदारों के लिए वाहन क्रय संबंधी प्रस्तावों पर चर्चा की गई। नायब तहसीलदारों की परिवीक्षा अवधि एवं तहसीलदारों की पदोन्नति की प्रक्रिया हर साल नियमित समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने ऑटो डायवर्सन पोर्टल और विभिन्न राजस्व वसूलियों की समीक्षा करते हुए रायपुर जिले में राजस्व वसूली की धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में विभागीय बजट वर्ष 2025-26 एवं आगामी बजट 2026-27 के संबंध में भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

खास खबर

उप मुख्यमंत्री शर्मा के विशेष प्रयासों से गन्ना किसानों को 13.80 करोड़ जारी

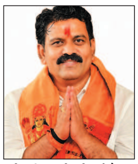

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

वैवाहिक सीजन एवं आगामी फसल की तैयारियों के बीच गन्ना किसानों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना, राम्हेपुर (कवर्धा) द्वारा किसानों को 13.80 करोड़ की राशि जारी की गई है। इसके साथ ही चालू पेराई सत्र में अब तक कुल 71.29 करोड़ का भुगतान किसानों को किया जा चुका है।

कलेक्टर एवं कारखाने के प्राधिकृत अधिकारी गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में भुगतान प्रक्रिया लगातार जारी है। समयबद्ध भुगतान से सहकारी व्यवस्था में किसानों का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। चालू पेराई सत्र में कारखाने ने उपलब्धि हासिल की है, जिसमें 2,55,818 मीट्रिक टन गन्ना पेराई एवं 3,09,120 क्विंटल शक्कर उत्पादन किया गया है। यह सफलता किसानों के सहयोग, प्रशासनिक मार्गदर्शन और कारखाने की कुशल कार्यप्रणाली का परिणाम है।

भोरमदेव शक्कर कारखाना किसानों और श्रमिकों के हित में निरंतर कार्य कर रहा है। इसमें एफआरपी के अतिरिक्त रिकवरी आधारित भुगतान, शासन द्वारा प्रदत्त बोनस वितरण, रियायती दर पर शक्कर उपलब्धता, उन्नत बीज एवं कृषि मार्गदर्शन, नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसी सुविधाएं शामिल हैं। साथ ही सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत किसानों के लिए सवर्सुविधायुक्त बलराम सदन तथा मात्र 5 रूपए में गरम भोजन की कैंटीन सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना जिले की अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बनकर उभरा है। यह किसानों को न्यूनतम मूल्य की गारंटी, फसल विविधता को बढ़ावा, हजारों लोगों को रोजगार तथा पीडीएस के लिए सस्ती दर पर शक्कर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। समय पर भुगतान, बेहतर प्रबंधन और किसान-केंद्रित योजनाओं के चलते यह कारखाना सहकारी मॉडल की सफलता का उत्कृष्ट उदाहरण बन गया है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ-साथ जिले के समग्र विकास को भी गति मिल रही है।

राज्य स्तरीय आवासीय खेल अकादमी में चयन के लिए ट्रायल शुरू, 204 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

रायपुर। राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय खेल अकादमी में प्रवेश के लिए 28 अप्रैल से 1 मई तक चयन ट्रायल का आयोजन किया गया है। चयन ट्रायल के पहले दिन आज रायपुर के कोटा स्थित स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में तीरंदाजी, फुटबॉल और वेटलिफ्टिंग के खिलाड़ी शामिल हुए। इसमें छत्तीसगढ़ एवं अन्य राज्यों के तीरंदाजी में 68 बालक और 27 बालिका, फुटबॉल में 91 बालिका, वेटलिफ्टिंग में 7 बालक और 11 बालिका सहित कुल 204 खिलाड़ियों ने हिस्सेदारी की।

चयन ट्रायल के पहले दिन आज खिलाड़ियों का पंजीयन, दस्तावेज सत्यापन, मेडिकल और शारीरिक दक्षता का परीक्षण किया गया। ट्रायल के दूसरे दिन 29 अप्रैल को खिलाड़ियों के खेल कौशल का परीक्षण किया जाएगा। यह चयन ट्रायल 13 वर्ष से 17 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए आयोजित है। इसमें चयनित खिलाड़ी खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय खेल परिसर में निःशुल्क प्रशिक्षण हासिल करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान अकादमी में खिलाड़ियों को निःशुल्क आवास, भोजन, शैक्षणिक व्यय, खेल परिधान, प्लेइंग किट और दुर्घटना बीमा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है।

राज्यपाल रमेन डेका ने जल संरक्षण और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने पर दिया बल

राज्यपाल रमेन डेका ने ली ब्लॉक स्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों की समीक्षा बैठक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने लोक निर्माण विभाग के सभाकक्ष में जिले के ब्लॉक स्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान राज्यपाल श्री डेका ने लोक निर्माण विभाग के प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम के तहत वृक्षारोपण भी किया। राज्यपाल ने निर्देश दिए कि अधिकारी हितग्राहियों से व्यक्तिगत रूप से मिलें और विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का फीडबैक ले। सभी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

बैठक के दौरान राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जल संरक्षण से जुड़े प्रयासों का आकलन करना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए प्री-मानसून (मानसून शुरू होने से पहले) और पोस्ट-मानसून (मानसून समाप्त होने के बाद) दोनों अवधियों में भूजल स्तर का नियमित और व्यवस्थित मापन किया जाए। उन्होंने कहा कि इन दोनों समयावधियों के आंकड़ों की तुलना करने से यह स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा कि वर्षा के साथ-साथ जिले में चलाए गए जल संवर्धन अभियानों जैसे सोखपीट निर्माण और अन्य संरचनाओं का भूजल स्तर पर कितना सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यदि इस प्रक्रिया को नियमित रूप से अपनाया जाता है, तो न केवल जल स्तर में हो रही वास्तविक वृद्धि का सही आंकलन संभव होगा, बल्कि जल संरक्षण के प्रयासों को और बेहतर दिशा भी दी जा सकेगी।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्कूलों, कॉलेजों, शासकीय भवनों, सड़कों के किनारे तथा सिविल क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कराने को कहा, ताकि पर्यावरण संतुलन बनाए रखा जा सके। राज्यपाल ने ह्लएक पेड़ मां के नामह्व अभियान को भी बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयासों से आम लोगों की सहभागिता बढ़ेगी और वे वृक्षारोपण के प्रति अधिक जागरूक एवं प्रेरित होंगे।

राज्यपाल ने जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राज्य में धान की खेती अधिक मात्रा में होती है, जिससे पानी की खपत भी काफी बढ़ जाती है। ऐसे में किसानों को अन्य कम पानी वाली फसलों की ओर भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, ताकि जल संरक्षण को बढ़ावा मिल सके। इसके साथ ही राज्यपाल ने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने पर बल देते हुए हाइड्रोपोनिक्स खेती को प्रोत्साहित करने की बात कही। उन्होंने बताया कि हाइड्रोपोनिक्स एक उन्नत तकनीक है, जिसमें फसलों को बिना मिट्टी के केवल पानी और पोषक तत्वों के घोल के माध्यम से उगाया जाता है, जिससे पानी की बचत होती है और उत्पादन भी बेहतर मिलता है। बैठक में कृषि अधिकारी ने जानकारी दी कि नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग के तहत जिले में 500 किसानों को जैविक खेती से जोड़ा गया है और वे जैविक फसलों का उत्पादन कर रहे हैं।

राज्यपाल श्री डेका ने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों से स्कूलों में शौचालय की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक स्कूल में शौचालय की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा वे साफ-सुथरे और उपयोग योग्य स्थिति में हों। उन्होंने ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के स्कूलों के शौचालयों का निरीक्षण करने के लिए कहा। राज्यपाल ने यह भी जोर दिया कि शौचालयों की नियमित सफाई और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके साथ ही राज्यपाल ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि ड्रॉपआउट हुए बच्चों और उनके अभिभावकों की बैठकें आयोजित करने को कहा। उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों ने अपनी पढ़ाई पूरी कर ली है और वतर्मान में किसी अच्छे संस्थान में कार्य कर रहे हैं या किसी क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, उन्हें स्कूलों में आमंत्रित कर सम्मानित किया जाए। ऐसे कार्यक्रमों से वतर्मान विद्याथिर्यों को प्रेरणा मिलेगी और वे भी आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित होंगे। बेहतर स्वास्थ्य के लिए नियमित योग और व्यायाम को बढ़ावा देने पर राज्यपाल ने जोर दिया। जिले के 28 संस्थानों में नियमित रूप से योग का अभ्यास किया जा रहा है, जिसकी उन्होंने सराहना की। राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन संस्थानों में नियमित योग करने वाले प्रतिभागियों की सूची तैयार कर भेजी जाए, ताकि उन्हें राजभवन में आमंत्रित कर सम्मानित किया जा सके।

राज्यपाल ने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर भी गंभीरता जताई और अधिकारियों को इसके लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा। उन्होंने सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने और आवश्यक सुधारात्मक उपाय लागू करने पर जोर दिया, जिससे दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। इसके साथ ही राज्यपाल ने इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी में अधिक से अधिक सदस्यों को जोड़ने पर जोर दिया। बैठक में कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी, एसडीएम पाटन लवकेश ध्रुव, एसडीएम भिलाई-3 महेश राजपूत, एसडीएम धमधा सोनल डेविड, एसडीएम उत्तम ध्रुव, नगर निगम भिलाई आयुक्त राजीव पाण्डेय, नगर निगम दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम भिलाई चरोदा आयुक्त दशरथ राजपूत, नगर निगम रिसाली आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, वनमण्डलाधिकारी दीपेश कपिल, सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और सशक्तिकरण पर सरकार का फोकस, 'ई-श्रम साथी' एप किया गया लॉन्च

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में श्रम विभाग के कार्यों और योजनाओं की उच्च स्तरीय समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि मैदानी अमला पूरी प्रतिबद्धता के साथ श्रमिकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि योजनाओं का वास्तविक प्रभाव तभी दिखाई देगा, जब उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और जमीनी स्तर पर उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। इस अवसर पर श्रम मंत्री लखन देवांगन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में श्रमिकों के हित में व्यापक पहल हुई है और चार नई श्रम संहिताएं लागू की गई हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ में मजदूरी संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता 2020 का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि श्रमिकों को सुरक्षित, संरक्षित और सम्मानजनक कार्य वातावरण मिल सके।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्रम विभाग एक अत्यंत महत्वपूर्ण विभाग है, जो बड़े पैमाने पर श्रमिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ औद्योगिक इकाइयों का औचक निरीक्षण भी तकनीक के माध्यम से किया जाए, ताकि श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। राज्य सरकार के इन प्रयासों से छत्तीसगढ़ में श्रमिकों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा मिल रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने श्रमिकों को घर बैठे रोजगार की जानकारी सहज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से "ई-श्रम साथी" मोबाईल एप्लीकेशन छत्तीसगढ़ डिजिटल लेबर चौक का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की मेहनत देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार है, इसलिए उनके योगदान का सम्मान और उनके हितों की रक्षा सवोर्च्च प्राथमिकता है।

समीक्षा बैठक में श्रम विभाग की संरचना, श्रमायुक्त संगठन, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा व्यवस्था तथा तीनों प्रमुख मंडलों के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। प्रदेश के सभी जिलों में श्रम कार्यालयों के माध्यम से योजनाओं के क्रियान्वयन और समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर भी जोर दिया गया, ताकि श्रमिकों को योजनाओं की जानकारी और उनका लाभ दोनों सुनिश्चित हो सके।

उल्लेखनीय है कि भवन एवं अन्य सन्निर्माण कमर्कार कल्याण मंडल के तहत 5 सितंबर 2008 से अब तक 33 लाख 14 हजार से अधिक श्रमिक पंजीकृत किए जा चुके हैं। मंडल द्वारा 26 योजनाएं संचालित की जा रही हैं तथा 60 श्रमिक वर्ग अधिसूचित हैं। एक प्रतिशत उपकर (सेस) से वर्ष 2025-26 में 315 करोड़ रुपये प्राप्त हुए, जबकि मंडल गठन से अब तक कुल 2,808 करोड़ रुपये का उपकर संग्रहित हुआ है। मार्च 2026 तक 2,558 करोड़ रुपये विभिन्न योजनाओं में व्यय किए जा चुके हैं।

गर्मी में पानी की किल्लत से राहत देगा ग्रे-वॉटर प्लांट, 46 गांवों में नदियों व तालाबों पर बनेंगे सिस्टम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) में बिलासपुर जिले की ग्राम पंचायतों में तरल अपशिष्ट (लिक्विड वेस्ट) के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए विकेन्द्रित अपशिष्ट जल शोधन प्रणाली को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में निकलने वाले गंदे पानी को सीधे नालियों, नदियों एवं तालाबों में जाने से रोका जाएगा तथा उसे उपचारित कर पुनः उपयोग के लायक बनाया जाएगा। यह प्रणाली जल स्रोतों (नदियों व तालाबों) को प्रदूषणमुक्त रखने के साथ-साथ ग्रामीण आबादी को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराएगी। इस प्रणाली से अपशिष्ट जल के उचित उपचार के साथ ही पर्यावरण व जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

विकेन्द्रित अपशिष्ट जल शोधन प्रणाली पारंपरिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की तुलना में किफायती एवं प्रकृति-आधारित तकनीक पर आधारित है। इसमें रासायनिक प्रक्रिया के बजाय सूक्ष्म जीवों एवं पौधों की सहायता से जल का शोधन किया जाता है। इस तकनीक की विशेषता यह है कि अपशिष्ट जल का उपचार उसी स्थान (ऑन-साइट ट्रीटमेंट) पर किया जाता है, जहां वह उत्पन्न होता है। इस उपचारित जल का उपयोग बागवानी, कृषि

कार्य एवं शौचालय फ्लशिंग जैसे कार्यों में किया जा सकता है। इससे भूजल स्तर में सुधार के साथ जल संसाधनों का संरक्षण भी होगा।

बिलासपुर जिले में अभी विकेन्द्रित अपशिष्ट जल शोधन प्रणाली की 46 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 25 के कार्य पूर्ण हो चुके हैं। शेष 21 कार्य प्रगति पर हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप अग्रवाल ने बताया कि इस तकनीक के माध्यम से न केवल जल की बर्बादी को रोका जा रहा है, बल्कि ओडीएफ प्लस लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों के लिए टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल समाधान साबित होगी।

विकसित बस्तर की परिकल्पना को साकार करने कृषि सेक्टर की अहम भूमिका : शहला निगार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

विकसित बस्तर की परिकल्पना को साकार करने के लिए कृषि क्षेत्र सहित आनुशांगिक सेक्टरों की अहम भूमिका है। यह बस्तर के समग्र विकास की धुरी है। इसे ध्यान में रखते हुए मक्का एवं मिलेट्स फसलों, दलहन-तिलहन फसल क्षेत्र विस्तार, मसाला फसलों के रकबा विस्तार के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत है। कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार ने उक्त बातें आज जगदलपुर में आयोजित संभाग स्तरीय बैठक में कही।

उन्होंने बैठक में कहा कि निर्यात योग्य सुगंधित धान की खेती को प्रोत्साहित करने सहित वन डिस्ट्रिक-वन एरोमेटिक वेरायटी पर फोकस करें। साथ ही बस्तर में जैविक खेती की अपार संभावनाओं को देखते हुए जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के साथ ही वातावरण के अनुकूल कॉफी एवं ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुपालन, मत्स्यपालन और झींगापालन के लिए भी व्यापक स्तर पर पहल करने को कहा। उन्होंने इस दौरान खरीफ फसल सीजन 2026 के कायर्योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार ने बस्तर के किसानों की बीज की मांग को स्थानीय स्तर पर पूर्ति करने आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य निर्धारित कर बीज उत्पादन कार्यक्रम से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के कृषकों सहित महिला कृषकों को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन वर्गों के किसानों को बीज प्रमाणीकरण पंजीयन शुल्क से छूट प्राप्त है, इसलिए बीज उत्पादन कार्यक्रम से उक्त वर्ग के किसानों को ज्यादा से ज्यादा जोड़ने पहल करें। इन्हें बीज एवं अन्य आदान सामग्री की उपलब्धता सहित प्रशिक्षण से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने खरीफ फसल सीजन में कोदो-कुटकी एवं रागी मिलेट्स सहित दलहन-तिलहन फसलों की खेती को बढ़ावा देने कहा। इस दिशा में मक्का की खेती को विशेष तौर पर प्रोत्साहित किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही उच्चहन भूमि जैसे टिकरा एवं मरहान भूमि पर आम, काजू, कटहल, सीताफल इत्यादि उद्यानिकी फसलों सहित कंद वर्गीय फसलों में जिमीकंद, रतालू, शकरकंद, अरबी, तिखुर आदि को प्रोत्साहित करने कहा।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने बस्तर में जैविक खेती की अपार सम्भावनाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि यहां की भूमि की उर्वरता और वातावरण जैविक खेती के लिए काफी अनुकूल है। इसलिए अधिकाधिक किसानों को जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने इस दिशा में दंतेवाड़ा जिले की तरह अन्य जिलों में भी पहले से आर्गेनिक खेती करने वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर एक से दो विकासखंडों का चयन कर प्रभावी क्रियान्वयन किए जाने कहा। साथ ही नेशनल मिशन आन नेचुरल फार्मिंग के लिए भी बस्तर को उपयुक्त निरूपित करते हुए इस दिशा में तैयार कायर्योजना का कारगर कार्यान्वयन किए जाने के निर्देश दिए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने 10 वर्ष के भीतर तथा 10 वर्ष से पुरानी विभिन्न किस्मों के रकबा विस्तार के लिए भी प्राथमिकता के साथ क्रियान्वयन सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने नेशनल मिशन आन एडिबले ऑयल की कायर्योजना को व्यापक स्तर पर क्रियान्वयन करने पर बल देते हुए कहा कि बस्तर के उच्चहन भूमि तथा अनुकूल जलवायु ऑयल पाम की खेती के लिए काफी अच्छी है। किसान ऑयल पाम की खेती के साथ पामा रोजा एवं लेमनग्रास की इंटर क्रॉपिंग भी कर सकते हैं। साथ ही साग-सब्जी की खेती को भी प्रोत्साहित किया जा सकता है। अतः भविष्य में खाद्य तेल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बस्तर में ऑयल पाम की खेती को प्रोत्साहन दिया जाए।

बैठक में बस्तर कमिश्नर डोमन सिंह सहित बस्तर, दंतेवाड़ा, कोण्डागांव, सुकमा, बीजापुर एवं नारायणपुर के कलेक्टर और कांकेर जिले के सीईओ जिला पंचायत ने अपने जिले में कृषि तथा संबंधित विभागों के योजनाओं के क्रियान्वयन प्रगति, खरीफ फसल कार्यक्रम कायर्योजना के क्रियान्वयन तैयारी सहित नवाचारों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। बैठक में संचालक कृषि राहुल देव, प्रबंध संचालक बीज विकास निगम अजय अग्रवाल सहित उद्यानिकी, मत्स्यपालन, पशुपालन, मार्कफेड, अपेक्स बैंक के वरिष्ठ अधिकारी और सभी जिलों के सीईओ जिला पंचायत सहित कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

इस बार बंगाल की जनता डरने वाली नहीं है

पं .बंगाल की राजनीति में हिंसा करके लोगों को डराने का एक लंबा व पुराना इतिहास रहा है। चुनाव के पहले और चुनाव के बाद लोगों को डराने के लिए बहुत कुछ कहा जाता रहा है और किया जाता रहा है। पिछले दस साल मे यहां निष्पक्ष चुनाव कराना एक बड़ी चुनौती रही है क्योंकि टीएमसी के शासन में वोट न देने वालों को, वोट के जरिए विरोध करने वालों को चुनाव के पहले हिंसा कर डराया जाता रहा है और चुनाव के बाद वोट न देने वालों के साथ कई तरह की हिंसा की जाती रही है। पिछले दो चुनावों में ऐसा किया जाता रहा है ताकि कोई उनको विरोध करने की हिम्मत न करे और उनके खिलाफ वोट डालने की हिम्मत न कर सके। किसी राज्य मे जब लोग बिना डरे वोट न दे सकें तो वहां लोकतंत्र है इस पर कैसे यकीन किया जा सकता है।

पं. बंगाल मे एक चरण का वोट हो चुका है और दूसरे चरण का वोट बुधवार को होना है। पहले चरण में तो 90 प्रतिशत से ज्यादा वोट होने से माना जा रहा है कि इस बार का चुनाव पिछले दो बार हुए चुनाव से अलग है। इस बार राज्य की जनता को सुरक्षा का एहसास दिलाने का प्रयास सुप्रीम कोर्ट के साथ चुनाव आयोग ने अभूतपूर्व प्रयास किए हैं। वोटिंग के दौरान कोई हिंसा न हो तथा लोग बिना डरे अपने वोट के अधिकार का प्रयोग कर सकें इसके लिए देश के इतिहास में पहली बार बड़ी संख्या में जवान तैनात किए गए है। इस वजह से पहले चरण के मतदान में पहले की तरह हिंसा नहीं हो सकी। एसआईआर के कारण जिनको वोट देने का अधिकार था, वही वोट दे सके हैं और बिना डरे वोट दे सकें है, इससे जनता में यह भरोसा पैदा हुआ है कि वह अब बंगाल में अपने मन से किसी को वोट दे सकते हैं, उन पर वोट डालने के लिए कोई दवाब नहीं डाल सकता।इस वजह से बड़ी संख्या में लोगों ने वोट डाले हैं।

पहले चरण में जनता ने उत्साह से किसी के पक्ष में और किसी के विरोध में जमकर वोट किया है। इससे जीतने वालों के खुशी है कि वह निष्पक्ष व बिना डरे लोगों ने उनको वोट दिया है, वहीं हारने वालों को इस बात का मलाल है कि हमारा आतंक का राज समाप्त हो गया है, हमारा डर खत्म हो गया है। इससे हमको हराने वालों को वोट देने का मौका मिल गया है और वह हमारे खिलाफ वोट देने से सफल रहे हैं। बंगाल मे लोगों ने बिना डरे वोट दिया है, किसी को हराने के लिए वोट दिया है तो इसका श्रेय चुनाव आयोग व सुप्रीम कोर्ट को जाता है। जिन्होंन टीएमसी व ममता की एक नहीं सुनी और उनको वह सब करने की आजादी नही दी जो वह चुनाव में करते रहे हैं और चुनाव जीतते रहे हैं।पहले चरण के वोट के बाद लोगों को इस बात की खुशी है कि वह बंगाल में बदलाव चाहते हैं और उसके लिए वह वोट दे पा रहे हैं।

पं. बंगाल के लोगों के लिए अमित शाह का यह आश्वासन भी मायने रखता है कि पं.बंगाल में चुनाव के बाद भी दो माह सुरक्षा बल के जवान तैनात रहेंगे ताकि चुनाव के बाद टीएमसी के कार्यकर्ता व नेता व अपने विरोधियों व वोट न देने वालों के साथ जो खुल मारपीट व हिसा करते है, वह न कर सकें यानी चुनाव में कोई टीएमसी के खिलाफ वोट देने वाला है तो वह आश्वस्त हो सके कि अब तक चुनाव के बाद जो हिंसा उनके साथ होती रही है,वह इस बार नहीं होने वाली हैं। पहले चुनाव खत्म होने के बाद टीएमसी वाले चुनाव में उनका साथ न देने वालों से सबक सिखाते रहे हैं। ताकि लोगों में डर रहे कि चुनाव के उनको टीएमसी के कहर से कोई बचाने वाला नहीं है और वह टीएमसी का किसी तरह का कोई विरोध न कर सकें। टीएमसी के खिलाफ वोट देना चाहे तो वोट न दें सकें।

इस चुनाव में टीएमसी के हारने के कई कारण गिनाए जा रहे हैं । एक कारण तो उनका अलोकतांत्रिक रवैया रहा है। उनका लोकतंत्र में भरोसा नहीं रहा है, इस वजह से इस बार पं बंगाल के लोग टीएमसी से निजात पाना चाहते हैं और वह जानते हैं कि टीएमसी से निजात पाने के लिए इस बार चुनाव आयोग व सुप्रीम कोर्ट ने जो काम किए हैं, उससे वह टीएमसी से निजात पा सकते हैं। टीएमसी से निजात पाने के लिए लोग बंपर वोट कर रहे हैं। इसका टीएमसी के नेता समझ रहे है और लोगों को आखिरी बार डराने का प्रयास कर रहे है कि चार मई को बाद आपको कौन बचाएगा। चार मई के बाद सबका हिसाब होगा। इससे पहले टीएमसी जनता का हिसाब करे लगता है कि इस बार जनता ही टीएमसी का हिसाब एक चरण में कर चुकी है और दूसरे चरण मे करने वाली है। जनता से पंगा लेकर कोई राजनीतिक दल सत्ता में ज्यादा दिन नही रह सकता वह दल भले ही टीएमसी ही क्यों न हो।

तस्वीरों में जिंदगी का हर रंग उकेरने वाले छायाकार

राजेन्द्र शर्मा

सुविख्यात छायाकार रघु राय इस फानी दुनिया को अलविदा कह गये। अब वे भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं किन्तु अपनी गहन दृष्टि से क्लिक की गयी तस्वीरों के जरिये वे हमारे बीच हमेशा बने रहेंगे। उनकी उपस्थिति उनकी हर क्लिक की गयी तस्वीर के उस फ्रेम में है जहां सत्य है, हर उस प्रकाश में जहां करुणा है, हर उस कैमरे में है जहां ईमानदारी है।

मौत का और तस्वीर के क्षण का कोई ऐतबार नहीं,कहीं भी मिल सकते हैं- हमेशा कैमरा अपने साथ रखने की वजह इस एक पंक्ति में बताने वाले विश्वप्रसिद्ध छायाकार, पद्मश्री से सम्मानित 83 वर्षीय रघु राय गत 26 अप्रैल की सुबह इस फानी दुनिया को अलविदा कह गये। रघु राय के भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं रहने की दुःखद मनोस्थिति में यह लेख लिखा जा रहा है किन्तु अपनी गहन दृष्टि से क्लिक की गयी तस्वीरों के जरिये वे अदृश्य रूप से हमेशा बने रहेंगे। उनकी उपस्थिति उनकी हर क्लिक की गयी हर तस्वीर के उस फ्रेम में है जहां सत्य है, हर उस प्रकाश में जहां करुणा है, हर उस कैमरे में जहां ईमानदारी है।

बिना किसी प्रशिक्षण अपने जीवन की पहली तस्वीर एक गधे की क्लिक करने वाले रघु राय ने उपकरण मात्र माने जाने वाले कैमरे को समर्पण, सूझबूझ और सतत साधना के बल पर संवेदना,सत्य और समय का ऐसा साक्षी बनाया कि उनकी क्लिक की गयी तस्वीरें देश के जनमानस में हमेशा गहरे छायी रहेंगी। दिल्ली की गलियों से लेकर हिमालय की ऊंचाइयों तक, राजनीति से लेकर जनजीवन तक, और अध्यात्म से लेकर मानवीय संघर्ष तक उनकी तस्वीरें जनता की सामूहिक याद ?दाश्त है।

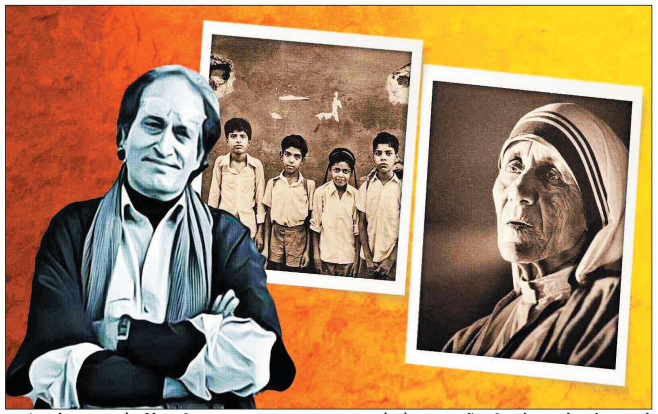

पंजाब के एक आम नौकरीपेशा परिवार के रघु राय ने आजीविका के लिए सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करके एक साल सरकारी नौकरी भी की। रचनात्मक सोच के चलते सरकारी नौकरी में तयशुदा ढर्रे पर चलना मुनासिब न समझा तो नौकरी छोड़ अपने बड़े भाई के पास दिल्ली आये। संयोग से बड़े भाई से कैमरा लेकर भाई के मित्र के साथ उनके गांव गये। गांव में गधे के एक छोटे बच्चे की तस्वीर लेने की कोशिश की तो वह भाग गया। रघु राय ने उसका पीछा किया। थक-हारकर जब वो बच्चा रुका तो तुरंत तस्वीर खींच ली। यही तस्वीर वर्ष 1965 में लंदन टाइम्स में छपी तो सिविल इंजीनियर रघु राय रातोंरात स्टार फोटोग्राफर रघु राय हो गये, प्रारब्ध शायद इसी को कहते हैं।

छह दशक तक रघु राय और कैमरा एक-दूसरे के पर्याय बने रहे, काम के दम पर इज्जत-शोहरत, इनाम-इकराम उनकी झोली में स्वतः आते रहे लेकिन काम करने की जिजीविषा अंतिम सांस तक रही। इन पंक्तियों के लेखक के मन-मस्तिष्क में 2023 की वे स्मृतियां घुमड़ रही हैं, जब रघु राय ने अपने पचास से ज्यादा सालों से मित्र हिम्मत शाह का 90वां जन्म ?दिन नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में मनाया था। नब्बे के हिम्मत शाह व अस्सी के रघु राय- दोनों के पास उम्र के इस दौर में भी काम करने की इतनी योजनाएं कि बीस साल भी कम पड़ें। दोनों युवाओं जैसे उत्साह से लबरेज। रघु राय का उपरोक्त कथन ह्यमौत का और तस्वीर के क्षण का कोई ऐतबार नहीं,कहीं भी मिल सकते हैंह्न, तीन साल से कम समय में ही उन्हीं पर फिट हो गया। दो मार्च, 2025 को हिम्मत शाह का निधन हो गया और ठीक तेरह माह बाद 26 अप्रैल, 2026 को रघु राय चले गये ।

रघु राय कालजयी फोटोग्राफर के साथ-साथ बेहतरीन इंसान थे। हिम्मत शाह से उनकी दोस्ती उस समय हुई जब हिम्मत शाह के सितारे गर्दिश में थे। हिम्मत शाह का काम कला के बाजार में बिकता नहीं था और फटेहाली में सुबह-शाम खिचड़ी खाकर काम चलाते थे जबकि उस समय रघु राय स्थापित हो चुके थे। रघु राय की दृष्टि ने हिम्मत शाह के भीतर के कलाकार और बेहतर इंसान को जान लिया था। दोस्ती परवान चढ़ी और ताउम्र बनी रही। हिम्मत शाह के अनन्य प्रशंसक बिहार म्यूजियम के डायरेक्टर अंजनी कुमार सिंह ने 2019 में उनका जन्मदिन मनाने का फैसला किया व हिम्मत शाह से पूछा कि किस-किस को बुलाना चाहते हैं तो उन्होंने कहा कि रघु राय और ज्योति शाह। वजह दोस्ती तो थी ही, उससे भी बड़ी वजह थी कि हिम्मत शाह मानते थे कि आजादी के 25-30 साल बाद के बदलते भारत, ग्रामीण भारत के दस्तावेजीकरण का काम रघु राय और ज्योति शाह ने जिस शिद्दत से किया, वह उन्हें नमस्कार करते हैं। हिम्-?मत शाह और रघु राय जब साथ होते तो उनके पास ढेर-सी योजनाओं के अलावा संस्मरणों की पूरी पोटली होती।

अपने फन के शीर्ष पर पहुंच कर भी अहंकार से कोसों दूर रघु राय की सौम्यता व मुस्कुराता चेहरा पूर्ववत बना रहा। वह हर क्षण कैमरे के लैंस के साथ बतियाते-से लगते जैसे हर क्षण को सिर्फ.देख नहीं रहे बल्कि उसे उसकी सम्पूर्ण संवेदना संग जी रहे हैं। वाराणसी के ख्यात फोटोग्राफर रघु राय को याद करते हुए कहते हैं कि लगभग चार दशक तक उन्होंने काशी को अपने कैमरे में बार-बार उतारा। घाटों की भोर, गलियों की धड़कन, साधुओं की समाधि, उत्सवों का उल्लास, श्मशान की निस्तब्धता और जनजीवन की सहजता, काशी के हर रंग को उन्होंने अमर कर दिया।

कैमरे के पीछे एक तपस्वी की तरह कार्य करने वाले रघु राय वस्तुतः एक व्यक्ति नहीं ,विश्वविद्यालय थे। उन्होंने सिखाया कि अच्छा फोटोग्राफर बनने से पहले अच्छा मनुष्य बनना जरूरी है। ह्यपहले देखना सीखो, फिर क्लिक करना।ह्न उनका कैमरा आंख से पहले हृदय से संचालित होता है।

निःसंदेह, रघु राय जैसा दिव्य दृष्टि संपन्न फोटोग्राफर सदी में एक ही पैदा होता है। रघु राय का इस फानी दुनिया से जाना अपूरणीय क्षति कहने भर के लिए नहीं, असल में इस क्षति की भरपाई कभी नहीं हो सकती।

'सनम बेवफा' के बहाने मुस्लिम सोशल फिल्मों की बात

वरिष्ठ पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन के फेसबुक वाल से

यह मेरे शहर का व्यंकटेश्वर सिनेमाघर है। शहर के सिंगल स्क्रीन में यह सबसे पुराना सिनेमाघर है। साल 1964 मैं 'मिस्टर एक्स इन बॉम्बे' फिल्म से शुरु हुआ यह सिनेमाघर आज भी बदस्तूर चल रहा है। खैर, आज यहां से गुजरते हुए पोस्टर पर नजर पड़ी तो मुझे थोड़ी हैरानी हुई। लगा शायद कोई बी ग्रेड की फिल्म दूसरे नाम के साथ लगी है। जैसा कि पहले धर्मेंद्र और मिथुन चक्रवर्ती की बी ग्रेड फिल्मे 'दादा','कुली','मर्द' और 'हीरो' जैसे लोकप्रिय नामों से रिलीज होती थी।

लेकिन, पास जाकर देखा तो यह वही सलमान खान वाली 'सनम बेवफा' थी। गूगल ने बताया कि 90 के दौर की कुछ सुपरहिट फिल्मों को देश भर के चुनिंदा थियेटरों में रि-रिलीज किया जा रहा है। उसी कड़ी में 'सनम बेवफा' भी रिलीज हुई है। वैसे जब दोपहर में मैं इसकी फोटो ले रहा था तो दर्शक नहीं होने की वजह से शो कैंसिल था।

मुझे लगता है कि आजादी के बाद 'चौदहवीं का चांद', 'बरसात की रात' 'मेरे हुजूर' 'मेरे महबूब' और 'निकाह' की कड़ी में 'सनम बेवफा' आखिरी मुस्लिम सोशल फिल्म थी।

1991 में यह फिल्म न्यू बसंत टॉकीज में लगी थी और खूब चली थी। तब तक ऐसी मुस्लिम परिवेश वाली फिल्में हर वर्ग का दर्शक देखना पसंद करता था। खासकर मुस्लिम परिवारों की पर्दानशीं औरतें भी ऐसी फिल्में देखने जाया करती थी।

इन फिल्मों की लोकप्रियता का आलम यह था कि ईद-बक्रईद जैसे मौके पर ऐसी फिल्म ब्रांड न्यू प्रिंट के साथ हर साल रि-रिलीज हुआ करती थी।

आज मशहूर हस्ती जावेद अख्तर भले ही हंसी उड़ाने के अंदाज में कहें कि मुझे तो इन फिल्मों की तरह 'अम्मी जान' और 'अब्बा हुजूर' कहने वाला कोई लखनऊ तक में नहीं दिखता लेकिन हकीकत वो खुद भी जानते हैं। वो भूल जाते हैं कि फिल्मों या सीरियल के बाहर समाज में 'माताश्री' और 'भ्राताश्री' भी कोई अपने घर में नहीं बोलता। ऐसी फिल्मों का अपना दर्शक वर्ग था और इस वजह से ऐसी फिल्में जुबली हिट हुआ करती थी।

खैर, 1991 में रिलीज 'सनम बेवफा' के बाद के दौर में ऐसी मुस्लिम परिवेश वाली फिल्में बनना लगभग बंद सी हो गई। उसकी वजहें बहुत सी है।

अब चूंकि बॉलीवुड में एक अलग किस्म का 'नशा' हावी है तो ऐसे में उम्मीद करना भी बेमानी है। अब मुस्लिम सामाजिक परिवेश पर साफ-सुथरी पारिवारिक फिल्में तो बॉलीवुड में बनने से रहीं, ऐसे में अब ज्यादातर दशर्कों का रुझान परदेस के मुस्लिम परिवेश वाले सीरियलों की तरफ बढ़ गया है। इसमें हिंदु-मुस्लिम सभी वर्ग के दर्शक शामिल हैं।

इन सीरियलों में इस्तेमाल की जाने वाली जुबान पर मीम्स भी खूब बन रहे हैं। तो आज के लिए बस इतना ही। मुस्लिम परिवेश वाली बीते दौर की ऐसी फिल्मों से जुड़े आपके भी अनुभव हो तो शेयर कर सकते हैं। अगर बड़े स्क्रीन पर एक बार फिर 'सनम बेवफा' देखने की ख्वाहिश है तो सुपेला जाकर देख लीजिए।

सिविल लाइंस : ब्रिटिशकालीन विरासत के नाम बदलने का सवाल

विवेक शुक्ला

भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की राह पर है। ऐसे में सिविल लाइंस जैसे नामों-प्रतीकों को बदलना या हटाना सिर्फ नाम बदलना नहीं, बल्कि मानसिकता को डीकॉलोनाइज करने की दिशा में अहम कदम है। हालांकि इतिहास भुलाया नहीं जाना चाहिए, बल्कि उसे संग्रहालयों व उचित संरक्षण के जरिये याद रखा जाए।

दिल्ली, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, मेरठ और कई अन्य शहरों में सिविल लाइंस की चौड़ी सड़कें, दोनों तरफ खड़े विशाल और बुजुर्ग पेड़, पुराने गिरजाघर और औपनिवेशिक इमारतें ब्रिटिश राज के विलासी जीवन की याद दिलाते हैं। अब भारत सरकार इन सिविल लाइंस क्षेत्रों से ब्रिटिश काल के प्रतीकों को हटाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। यह कदम वर्ष 2047 तक भारत को पूर्ण रूप से डीकॉलोनाइज्ड बनाने के विजन का हिस्सा है।

ये इलाके विशेष रूप से ब्रिटिश सिविलियन अधिकारियों जैसे डिविजनल कमिश्नर, डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट आदि के लिए बनाए गए थे, ताकि वे भारतीय नेटिव टाउन से अलग, आरामदेह जीवन व्यतीत कर सकें। 19वीं शताब्दी में विकसित ये व्हाइट टाउन आज भी अनेक शहरों में मौजूद हैं। वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद ब्रिटिशों ने अपनी सुरक्षा और श्रेष्ठता को और मजबूत करने के लिए शहरों को दो हिस्सों में बांट दिया। एक ओर पुरानी, भीड़भाड़ वाली भारतीय बस्तियां, तो दूसरी ओर विस्तृत सड़कें, हरे-भरे बगीचे, बड़े बंगले और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित सिविल लाइंस। ये क्षेत्र कैंटोनमेंट से अलग लेकिन निकट थे। यहां ब्रिटिश सिविल सर्वेंट्स, जज, कलेक्टर आदि उच्च अधिकारी रहते थे।

दिल्ली में सिविल लाइंस का इतिहास 1857 से गहराई से जुड़ा है। मुगल राजधानी शाहजहानाबाद (पुरानी दिल्ली) के उत्तर में,

यमुना नदी के किनारे बसा यह क्षेत्र ब्रिटिशों का पहला प्रमुख आवासीय केंद्र बना। 1803 में दिल्ली पर कब्जा करने के बाद वे शुरू में कश्मीरी गेट क्षेत्र में रहते थे, लेकिन 1857 के विद्रोह ने सब बदल दिया। विद्रोहियों ने ब्रिटिश बंगलों को आग के हवाले कर दिया। विद्रोह दबाने के बाद अंग्रेजों ने सिविल लाइंस को रणनीतिक रूप से और मजबूत किया। यह क्षेत्र रिज (उत्तर दिल्ली रिज) के पास स्थित था, जो सैन्य दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण था।

लुटियंस दिल्ली (नई दिल्ली) बनने तक सिविल लाइंस ही ब्रिटिश प्रशासन का मुख्य केंद्र रहा। आज भी यहां निकोलसन कब्रिस्तान मौजूद है, जो 1857 में स्थापित हुआ। यह कब्रिस्तान ब्रिटिश सैनिकों और अधिकारियों की मौत के बाद बनाया गया था। यहां ब्रिगेडियर जॉन निकोलसन की कब्र है, जो विद्रोह दबाने में प्रमुख भूमिका निभाने वाले ब्रिटिश अधिकारी थे। इस कब्रिस्तान के पास बना चर्च स्थानीय ईसाई समुदाय के लिए था। यह पूरा इलाका आज भी रहस्यमयी कहानियों और पैरानॉर्मल घटनाओं से जुड़ा माना जाता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण प्रतीक है कुदसिया बाग। मुगल बादशाह मुहम्मद शाह रंगीला की बेगम कुदसिया द्वारा 1748 में बनाया गया यह चारबाग शैली का सुंदर बगीचा 1857 में ब्रिटिशों द्वारा नष्ट कर दिया गया। बाद में यहां अंग्रेजी शैली का बंगला बनाया गया। हाथी गेट भी यहीं है, जिसे बहादुर शाह जफर ने बनवाया था। मोटी दीवारों वाला यह गेट ब्रिटिश काल में सिविल लाइंस की सीमा बन गया।

मैडंस होटल (अब ओबेरॉय मैडंस) दिल्ली के सिविल लाइंस का एक शानदार नमूना है। यह हेरिटेज होटल सफेद इमारत, पुरानी लॉबी और स्विमिंग पूल के साथ औपनिवेशिक वास्तुकला का जीवंत उदाहरण है। अलीपुर रोड पर स्थित पुराना सेक्रेटेरिएट भवन, जिसमें 19 ब्रिटिश गवर्नर जनरल (वायसरॉय) कार्यरत रहे, आज इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वीमेन बन चुका है। मेटकाफ हाउस भी सर थॉमस मेटकाफ का निवास था। ये सभी इमारतें ब्रिटिश शासन की सत्ता और प्रतिष्ठा के प्रतीक थीं।

प्रयागराज का सिविल लाइंस सबसे प्रसिद्ध है। वर्ष 1858 के बाद कमिश्नर कथबर्ट बेंसली थॉर्नहिल ने इसे कैनिंगटन नाम से विकसित किया। ग्रिड पैटर्न वाली सड़कें, ब्रिटिश बंगले, एंग्लिकन चर्च, थिएटर और सोशल क्लब इसे एक मॉडल बनाते थे। ब्रिटिश काल के प्रतीक इन क्षेत्रों में मुख्य रूप से वास्तुकला के जरिये जीवित हैं। इधर मिलते हैं विक्टोरियन और एडवर्डियन शैली के बंगले, जो भारत की जलवायु के अनुकूल बरामदों और ऊंची छतों के साथ बने थे। स्वतंत्रता के बाद अधिकांश मूतिर्यां हटा दी गईं, लेकिन नाम और इमारतें बनी रहीं। आजादी के बाद सिविल लाइंस धीरे-धीरे भारतीयों के लिए भी खुले। आज ये क्षेत्र मिश्रित हैं। सरकारी बंगले, कॉलेज, होटल और व्यावसायिक इमारतें यहां मौजूद हैं। लेकिन सिविल लाइंस नाम अभी भी औपनिवेशिक विरासत को जीवित रखे हुए है।

सिविल लाइंस ब्रिटिश राज में विकास के साथ-साथ शोषण और अलगाव की नीति के गवाह हैं। दिल्ली का सिविल लाइंस 1857 की क्रांति के बाद ब्रिटिश पुनर्स्थापना का प्रतीक बना, जबकि प्रयागराज का मॉडल अन्य शहरों के लिए मिसाल साबित हुआ। ये क्षेत्र आज भी हरे-भरे बंगलों और शांत वातावरण के लिए जाने जाते हैं।

भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की राह पर है। सिविल लाइंस जैसे नामों-प्रतीकों को बदलना या हटाना सिर्फ नाम बदलना नहीं, बल्कि मानसिकता को डीकॉलोनाइज करने की दिशा में अहम कदम है। इतिहास भुलाया नहीं जाना चाहिए, बल्कि उसे संग्रहालयों, हेरिटेज वॉक व उचित संरक्षण के जरिये याद रखा जाए। दिल्ली के निकोलसन कब्रिस्तान या प्रयागराज के चर्च को संरक्षित रखते हुए नाम बदलना संभव है। सिविल लाइंस की यह कहानी ब्रिटिश साम्राज्य के उदय, पतन और भारत की स्वतंत्रता की पूरी यात्रा है। सरकार का यह प्रयास 77 वर्ष की आजादी को सच्ची स्वाधीनता में बदलने का प्रतीक है।

चिट्टे के खिलाफ महिलाएं

घर से शुरू हुई नशे के खिलाफ लड़ाई

आमतौर पर नशाखोरी के खिलाफ जब किसी गांव को रेड जोन घोषित किया जाता है, तो यह आधिकारिक तौर पर एक सामाजिक चेतावनी होती है। लेकिन शिमला के कुछ हिस्सों में घोषित यह चेतावनी पुलिस या प्रशासन द्वारा नहीं, बल्कि उन महिलाओं द्वारा जारी की गई है जो परिवारों व समाज को नशे के नासूर से बचाना चाहती हैं। पति हो या बेटा, नशे की हर त्रासदी का त्रास महिलाएं ही भुगतती हैं। वह चाहे किसी अपने को असमय खोना हो या आर्थिक रूप से परिवारिक क्षति हो।

यही वजह है कि नशे के खिलाफ अभियान को जमीनी हकीकत बनाने के मकसद से माताएं, बहनें और पत्नियां घर की चौखट से बाहर निकलकर सार्वजनिक रूप से मुखर हुई हैं। महिलाओं के नेतृत्व में चलने वाले इस अभियान को गति देने के लिये सतकर्ता समूह बनाये गए हैं। जिसमें नशे के कारोबार और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिये रात्रि गश्त भी शामिल है। साथ ही नशे की लत के शिकार लोगों को नशामुक्ति केंद्रों तक ले जाने में पहल की जा रही है। निस्संदेह, महिलाएं पुरुष व्यवहार को समझने में खासी संवेदनशील होती हैं। वे नशा करने वाले किसी पारिवारिक सदस्य के व्यवहार में बदलाव, भावनात्मक टूटन व नशे के कारण होने वाली आर्थिक तंगी पर पैनी दृष्टि रखती हैं। उनके व्यक्तिगत अनुभवों के फलस्वरूप वे आधिकारिक रिपोर्ट आने से पहले ही नशे की लत में जकड़े लोगों को पहचानने का प्रयास करती हैं।

निस्संदेह, जमीनी स्तर पर चलाए जा रहे इस अभियान के सार्थक परिणाम आने की उम्मीद जगी है। निर्विवाद रूप से पुलिस व प्रशासन की छापेमारी और गिरफ्तारियां नशे की आपूर्ति पर किसी हद तक अंकुश लगा सकती हैं, लेकिन टूट-बिखर रहे घरों को नहीं बचाया जा सकता। निस्संदेह, नशाखोरी के कई सामाजिक आयाम भी हैं, जिसे सामाजिक स्तर पर पहल करके रोका जा सकता है। रचनात्मक पहल से ही उन कारकों को संबोधित किया जा सकता है जो नशीले पदार्थों को बढ़ावा देते हैं। वाकई सामुदायिक स्तर पर सतकर्ता बेहद जरूरी है और महिलाएं इसका नेतृत्व करने में सक्षम भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं।

सही मायनों में हिमाचल सरकार की चिट्टा विरोधी पदयात्रा और महिला मंडलों की सार्थक पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। निस्संदेह, इस रचनात्मक पहल को संस्थागत स्तर भी समर्थन देने की जरूरत है क्योंकि नशे के कारोबार में संगठित गिरोह भी गहरे तक जुड़े रहते हैं। ऐसे में मादक पदार्थों के तस्करों का सामना करने वाली महिलाओं को अपराधियों की धमकी आदि जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। जिसके लिये सक्रिय पुलिसिंग, गवाहों को सुरक्षा देने, नशा मुक्ति के लिए पुर्नवास सुविधाएं और लगातार जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता भी होगी। सेवाभाव के लिये प्रसिद्ध पंजाब के लोगों को भी इस रचनात्मक पहल का अनुकरण करना चाहिए। वाकई पंजाब में नशे की चुनौती खासी बड़ी है। युवाओं को नशे की दलदल से बचाने के लिये एक बड़ी पहल की जरूरत महसूस की जा रही है।

वरिष्ठ नागरिकों के सामूहिक जन्मोत्सव में पशु-पक्षियों के लिए सकोरों का वितरण कर संवेदनशीलता का दिया संदेश

'दूसरे प्राणियों एवं जीव-जंतुओं के प्रति करुणा ही सच्ची मानवता है : घनश्याम देवांगन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सियान सदन, वैशालीनगर में वरिष्ठ नागरिकों का सामूहिक जन्मोत्सव अत्यंत उत्साह, गरिमा एवं आत्मीयता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए भीषण गर्मी को ध्यान में रखकर पशु-पक्षियों के लिए पानी एवं अन्न की व्यवस्था हेतु सकोरों का वितरण किया गया। उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों ने स्वेच्छा से अपने-अपने घरों के आसपास गायों, कुत्तों एवं अन्य पशुओं के लिए पानी की नांद एवं चारे की व्यवस्था करने का संकल्प लिया। इस पहल का उद्देश्य समाज में जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता एवं करुणा का संदेश प्रसारित करना था।

महासंघ के कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार गुप्ता ने सियान सदन को एक फ्रिज भेंट किया, जिससे वरिष्ठ नागरिकों को शीतल पेयजल एवं ताजा खाद्य सामग्री की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने कहा कि वरिष्ठजनों के जीवन को तनावमुक्त रखने एवं एकाकीपन को दूर करने में ऐसे सामूहिक आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे प्राणियों, पशु-पक्षियों एवं जीव-जंतुओं के प्रति करूणा एवं संवेदनशीलता ही सच्ची मानवता का परिचायक है। उन्होंने यह भी कहा कि वरिष्ठ नागरिकों का दायित्व है कि वे भावी पीढ़ी को श्रेष्ठ संस्कार प्रदान करें।

सियान सदन के अध्यक्ष राधेश्याम प्रसाद ने विश्वास दिलाया कि वैशालीनगर स्थित सियान सदन का उपयोग भविष्य में भी समाजोपयोगी एवं रचनात्मक गतिविधियों के लिए निरंतर किया जाता रहेगा।

सामूहिक जन्मोत्सव के अवसर पर वरिष्ठ नागरिक डी. ए. करमाकर, प्रेमनाथ त्रिपाठी एवं घनश्याम यादव का सम्मान कर उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई। सम्मानित सभी वरिष्ठजन अत्यंत प्रसन्नचित्त दिखाई दिए। इस अवसर पर वरिष्ठ जनों के लिए अनेक रोचक गेम एवं संगीत का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए महासंघ के रचनात्मक गतिविधियों की भूरी-भूरी प्रशंसा की और इसे निरंतर जारी रखने पर बल दिया।

इस अवसर पर रतनलाल गोयल, गंगाचरण पुरोहित, डी. ए. करमाकर, प्रेमनाथ त्रिपाठी, घनश्याम यादव, राधेश्याम प्रसाद, दिनेश गुप्ता, राजपाल सिंह राघव, दिनेश प्रसाद मिश्रा, नंदकुमार देवांगन, शंकर शेंडे, सुरेशचन्द्र जैन, के.एन. देवांगन, एस. के. गुप्ता, सी.बी. दिन्डे, जोसफ, पी.एल. लम्बेकर, बोरकर, आर.डी. वर्मा, अशोक जज्ञासी, एम.एल. गोपाल, रतनानी, शोभाराम सहित अन्य वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन सियान नागरिक एकता मंच के अध्यक्ष राधेश्याम प्रसाद ने किया तथा आभार प्रदर्शन महामंत्री दिनेश गुप्ता द्वारा किया गया।

विशेष-आलेख

ज्ञानभारतम से छत्तीसगढ़ गढ़ रहा नई राष्ट्रीय पहचान

राजेश अग्रवाल पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व विभाग, छग शासन

भारत की सांस्कृतिक परंपरा विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। हमारे पूर्वजों ने ज्ञान, विज्ञान, दर्शन, चिकित्सा, कला और साहित्य के विविध आयामों को पांडुलिपियों, ताम्रपत्रों और हस्तलिखित ग्रंथों के रूप में संरक्षित किया है। ये केवल ऐतिहासिक दस्तावेज नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता की जीवंत आत्मा हैं। ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण के माध्यम से हम इस अमूल्य धरोहर को खोजने, सहेजने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का एक व्यापक और दूरदर्शी अभियान चला रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में इस अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। गांव-गांव और घर-घर तक पहुँचकर पांडुलिपियों की खोज का कार्य किया जा रहा है, जिससे समाज की सहभागिता भी सुनिश्चित हो रही है। इस प्रयास का सकारात्मक परिणाम यह है कि नागरिक स्वयं आगे आकर अपने निजी संग्रहों में सुरक्षित दुर्लभ पांडुलिपियों को साझा कर रहे हैं।

हाल ही में दामाखेड़ा क्षेत्र में 326 वर्ष पुरानी दुर्लभ हस्तलिखित पांडुलिपियों की प्राप्ति इस अभियान की बड़ी सफलता के रूप में सामने आई है। इन पांडुलिपियों में तत्कालीन समाज, धार्मिक मान्यताओं और ऐतिहासिक परिस्थितियों का विस्तृत वर्णन मिलता है, जो शोध और अध्ययन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी क्रम में बिलासपुर जिले के ऐतिहासिक स्थल मल्हार से लगभग 2,000 वर्ष पुराना ताम्रपत्र प्राप्त होना छत्तीसगढ़ की गौरवशाली विरासत को और अधिक समृद्ध करता है। इस ताम्रपत्र में प्राचीन काल के शासन, दान व्यवस्था और सामाजिक संरचना का उल्लेख मिलता है, जो यह दर्शाता है कि उस समय की प्रशासनिक व्यवस्था कितनी विकसित और संगठित थी।

अंबिकापुर एवं अन्य क्षेत्रों में भी 17 वीं शताब्दी सहित विभिन्न कालखंडों की दुर्लभ पांडुलिपियों की खोज की गई है। इन पांडुलिपियों का ज्ञानभारतम ऐप के माध्यम से डिजिटलीकरण किया जा रहा है, जिससे उनका दीघर्कालीन संरक्षण सुनिश्चित हो सके। आधुनिक तकनीक के उपयोग से इन धरोहरों को सुरक्षित रखने के साथ-साथ शोधार्थियों और विद्यार्थियों के लिए सुलभ भी बनाया जा रहा है।

मेरा मानना है कि पांडुलिपियाँ केवल अतीत की स्मृतियाँ नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए मार्गदर्शक भी हैं। इनमें निहित ज्ञान आज भी प्रासंगिक है और समाज को दिशा देने में सक्षम है। इसी दृष्टिकोण से हमने इस अभियान को जनभागीदारी से जोड़ते हुए एक व्यापक सांस्कृतिक आंदोलन का रूप दिया है। हमारा लक्ष्य केवल संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि इन पांडुलिपियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना भी है।

छग का केरे गांव बना राष्ट्रीय आकर्षण का केन्द्र

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में ग्रामीण पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास अब जमीनी स्तर पर प्रभावी परिणाम देने लगे हैं। विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित पहल के तहत जशपुर जिले का केरे गांव तेजी से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहा है। यह गांव अब सामुदायिक भागीदारी और आत्मनिर्भरता पर आधारित ग्रामीण पर्यटन का एक सशक्त उदाहरण बनकर उभर रहा है। साय सरकार के दूरदर्शी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में एक नई पहचान गढ़ रहा है, जहां विकास, संस्कृति और आत्मनिर्भरता का संतुलित समन्वय देखने को मिल रहा है।

साय सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने की नीति के अंतर्गत राज्य सरकार ने दूरस्थ अंचलों की प्राकृतिक, सांस्कृतिक और पारंपरिक विशेषताओं को पर्यटन से जोड़ने का सफल प्रयास किया है। इसी क्रम में केरे गांव को विकसित करते हुए यहां 5 होमस्टे स्थापित किए गए हैं, जहां स्थानीय ग्रामीणों को प्रशिक्षण देकर उन्हें आतिथ्य सेवा से जोड़ा गया है। यह पहल न केवल पर्यटन को बढ़ावा दे रही है, बल्कि ग्रामीणों के लिए स्थायी आय का स्रोत भी बन रही है।

हाल ही में केरे गांव स्थित महुआ होमस्टे में ठहरे पर्यटकों के अनुभव ने इस पहल की सफलता को और मजबूत किया है। बिलासपुर से रांची जा रहे यात्रियों ने इंटरनेट के माध्यम से इस होमस्टे की जानकारी प्राप्त कर यहां ठहरने का निर्णय लिया। गांव पहुंचने पर उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया और उन्हें स्थानीय व्यंजनों का स्वाद चखने का अवसर मिला। पर्यटकों ने यहां की स्वच्छता, सुविधाओं और ग्रामीणों के आत्मीय व्यवहार की खुले दिल से सराहना की।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने इस पहल को राज्य के लिए गर्व का विषय बताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर नवाचार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केरे गांव जैसे मॉडल प्रदेश के अन्य क्षेत्रों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं, जहां स्थानीय संस्कृति और प्रकृति के संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिल रहा है।

राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के माध्यम से पर्यटन के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। इनमें इको-टूरिज्म सर्किट का विकास, आदिवासी संस्कृति को पर्यटन से जोड़ना, होमस्टे नीति का विस्तार, पर्यटन स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रचार-प्रसार शामिल हैं। इन प्रयासों से छत्तीसगढ़ देश-विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। जिला प्रशासन, जशपुर द्वारा केरे गांव में विकसित की जा रही यह पहल सामुदायिक भागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है। इससे न केवल स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा है, बल्कि उनकी सांस्कृतिक पहचान भी संरक्षित हो रही है। सकारात्मक अनुभवों और बढ़ती लोकप्रियता के साथ केरे गांव अब राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की दिशा में अग्रसर है।

विशेष लेख

महिला स्वसहायता समूहों ने बदली पोषण आहार आपूर्ति की तस्वीर

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कोरबा जिले में इसे अमल में लाने के लिए चयनित महिला स्वसहायता समूहों को उत्पादन तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग और प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। आधुनिक उत्पादन इकाईयाँ भी स्थापित की गईं।

मशीनरी, पैकेजिंग उपकरण और भंडारण सुविधाओं से लैस इन इकाईयों ने ग्रामीण महिलाओं के लिए नया कार्यस्थल और नया दृष्टिकोण दोनों दिया। जब उत्पादन शुरू हुआ, तब कच्चे माल की तैयारी, उत्पादन, पैकेजिंग, भंडारण, गुणवत्ता परीक्षण और परिवहन जैसी सभी जिम्मेदारियों को महिला समूहों ने अद्भुत दक्षता के साथ संभाल लिया। सिर्फ समूह सदस्य ही नहीं, बल्कि सहायक स्टाफ में भी महिलाओं को प्राथमिकता मिली, जिससे रोजगार के अवसर और बढ़े।

इन इकाईयों में रोजाना काम करते हुए महिलाओं के कौशल में तेजी से वृद्धि हुई। वे सहभागी नहीं रहीं, बल्कि निर्णयकर्ता बन गईं। उनके प्रबंधन कौशल में सुधार हुआ, नेतृत्व क्षमता निखरी और सामूहिक निर्णय लेने की शक्ति मजबूत हुई। सबसे बड़ी बात की अब ये महिलाएं अपने परिवार की आर्थिक गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाने लगीं। पोषण आहार निर्माण से प्राप्त नियमित आय ने महिलाओं के जीवन में स्थिरता ला दी।

आर्थिक रूप से सशक्त होने से उनकी पारिवारिक स्थिति मजबूत हुई और आत्मविश्वास कई गुना बढ़ा। महिला समूह अब लगभग 72 हजार हितग्राहियों को गुणवत्तापूर्ण टेक-होम राशन उपलब्ध कराने जा रही हैं। इससे न केवल आंगनबाड़ी केंद्रों को समय पर आपूर्ति सुनिश्चित होगी, बल्कि यह भी सिद्ध होगा कि गाँव की महिलाएं किसी भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को उत्कृष्टता से निभाने में दक्ष और सक्षम हैं।

47 पीवीटीजी बैगा बसाहट परिवारों के शत-प्रतिशत सर्वे पर जोर

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास विभाग के निर्देशानुसार कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिले के 47 पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) बैगा बसाहट परिवारों का हाउसहोल्ड सर्वेक्षण कार्य जारी है।

आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त स्वर्णिम शुक्ला द्वारा सुदूर वनांचल क्षेत्रों के ग्राम हाथीझोलाकला, समुंदपानी, गातापार, निजामडीह, समनापुर एवं सरईपतेरा में संचालित ढश्ळक्ष हाउसहोल्ड सर्वे का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सर्वेकर्ताओं को आ रही समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया तथा उच्च स्तर की समस्याओं से राज्य शासन को अवगत कराया गया। ग्राम हाथीझोलाकला में केंद्रीय क्षेत्रीय योजना अंतर्गत निर्मित बैगा आवास का निरीक्षण कर हितग्राही टीका राम से आवास की प्रगति की जानकारी ली गई।

वहीं ग्राम समुंदपानी में प्री-मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। ग्राम सरईपतेरा में पीएम जनमन योजना अंतर्गत संचालित MMU (मोबाइल मेडिकल यूनिट) की टीम से एनीमिया जांच, खून जांच, सिकल सेल जांच एवं गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी PVTG बसाहटों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के निर्देश दिए गए। साथ ही मितानिनों को ग्रामीणों को स्वास्थ्य जांच के लिए प्रेरित करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान आदिवासी विभाग के क्षेत्र संयोजक बोधन जोशी भी उपस्थित रहे।

25 ग्राम पंचायतों को अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों को मिली स्वीकृति

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

जिले की ग्राम पंचायतों के विकास को गति देने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को गौण खनिज से प्राप्त राशि से 25 ग्राम पंचायतों के लिए कुल 1 करोड़ 25 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस निर्णय से क्षेत्र की ग्रामीण व्यवस्थाओं को मजबूती मिलने के साथ-साथ डिजिटल सेवाओं का विस्तार भी सुनिश्चित होगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रत्येक चयनित ग्राम पंचायत को 5-5 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। जिन ग्राम पंचायतों को यह लाभ मिला है, उनमें छुईखदान जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत

आमगांव (ब), अचानकपुर, आमगांव (घ), अतरिया, बागुर, बरबसपुर, भाजीडोंगरी, भरदागोड़, भोरमपुर, भूर्भुसी, बिरनपुरकला, बीरुटोला और बोरई शामिल हैं।

इसी प्रकार खैरागढ़ जनपद पंचायत क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में आमदनी, अमलीडीह कला, अतरिया, अवेली, बैगाटोला, बैहाटोला, बाजगुड़ा, बरबसपुर, बेन्द्रीडीह, भंडारपुर, भरदाकला एवं भुलाटोला को अटल डिजिटल सुविधा केंद्र स्थापित करने की स्वीकृति दी गई है। इन केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय सेवाएं डिजिटल रूप में उपलब्ध कराई जाएंगी। जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, और सांसद संतोष पांडे को धन्यवाद देते हुए कहा कि राज्य सरकार लगातार ग्राम पंचायतों के विकास के लिए कार्य कर रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार हो रहा है और लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को अब अपने ही गांव में विभिन्न ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध होंगी, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी तथा डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा।

प्रदेश में उजागर हो रहा विष्णु देव साय सरकार का दोहरा चरित्र : छन्नी साहू पूर्व विधायक

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

भाजपा सरकार के महिला आरक्षण बिल को लेकर कांग्रेसियों ने जिला स्तरीय पत्रकार वार्ता का आयोजन कर भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार किया। वार्ता में पूर्व विधायक छुरीया एवं कांग्रेस की जिला प्रभारी छन्नी साहू ने खैरागढ़ की महिला कांग्रेस नेत्रियों की विशेष उपस्थिति में खैरागढ़ विधायक निवास में आयोजित वार्ता को सम्बोधित करते हुये कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार का महिला आरक्षण और जनहित के मुद्दों को लेकर दोहरा चरित्र अब सीधे उजागर हो गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा महिला सशक्तिकरण के नाम पर लगातार भ्रम फैलाया जा रहा है, जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद में 2023 में पारित होकर कानून बन चुका है, इसे लागू करने में भाजपा अनावश्यक देरी कर रही। पूर्व विधायक छन्नी साहू ने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण विधेयक (नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023) संसद से पारित होकर कानून बन चुका है, लेकिन इसे लागू करने में अनावश्यक देरी की जा रही है।। यदि सरकार की मंशा साफ होती तो वतर्मान सीट संरचना में ही 33 प्रतिशत आरक्षण तुरंत लागू किया जा सकता था। लेकिन भाजपा इसे परिसीमन और जनगणना से जोड़कर टालने की कोशिश कर रही है। पूर्व विधायक छन्नी साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में 90 विधायकों में 19 महिला विधायक निर्वाचित हैं, जिनमें 11 विधायक कांग्रेस पार्टी से और 8 विधायक भाजपा से हैं। छत्तीसगढ़ की महिला कैबिनेट मंत्री महिलाओं के सम्मान की बात तो करती हैं, लेकिन जब उनके अपने विभाग के द्वारा मातृ शक्तियों को फटी हुई साड़ियां बंटवाई जाती है, तो क्या महिलाओं का अपमान नहीं होता।

आज हालात यह है, कि छत्तीसगढ़ में रोज मासूम बच्चियों एवं महिलाओं के साथ अत्याचार बढ़ रहा है और अनाचार की घटनाएं घट रही हैं, लेकिन इसमें भाजपा के जनप्रतिनिधि कुछ भी कहने से बचते हैं।। नारी शक्ति की बात करने वाले भाजपा की छत्तीसगढ़ प्रदेश में जब से सरकार बनी है, लगातार शराब दुकानों की संख्या में वृद्धि कर रही है और स्कूलों की संख्या घटाई जा रही है। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है, कि प्रदेश की भाजपा सरकार महिलाओं की सुरक्षा, उनकी शिक्षा और उनके सम्मान को लेकर कितनी फिक्रमंद है। वार्ता में यह भी कहा गया कि 16 अप्रैल 2026 को प्रस्तुत 131 वें संविधान संशोधन विधेयक में महिला आरक्षण का सीधा उल्लेख न होना भाजपा की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े करता है।

कांग्रेस नेत्री के अनुसार लोकसभा सीटों को 850 तक बढ़ाने और परिसीमन के बहाने महिला आरक्षण को आगे खिसकाया जा रहा है। यह भी आरोप है कि सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन की बात करती रही, जबकि अब नई जनगणना की तैयारी भी चल रही है, ऐसे में महिला आरक्षण को लागू करने में देरी का कोई ठोस कारण नहीं बचता। उन्होंने कहा कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तो संशोधन के माध्यम से इसे तत्काल लागू किया जा सकता है लेकिन दोहरे चरित्र वाली भाजपा ऐसा करना नहीं चाहती।

भाजपा का नारी सम्मान केवल भाषणों तक सीमित

पूर्व विधायक छन्नी साहू के साथ कांग्रेस की नेत्रियों ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि नारी सम्मान केवल भाषणों तक सीमित है। व्यवहार में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व देने से भाजपा सरकार बच रही है। उन्होंने बढ़ते अपराधों, महिलाओं के प्रति असंवेदनशीलता और सामाजिक असुरक्षा को भी सरकार की विफलता बताया और कहा कि महिला आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा की रणनीति केवल राजनीतिक लाभ लेने की है जबकि कांग्रेस इस विषय पर स्पष्ट और त्वरित निर्णय की पक्षधर है। उन्होंने मांग की कि बिना किसी देरी के महिलाओं को उनका संवैधानिक अधिकार दिया जाए।

इस दौरान पूर्व विधायक छुरीया एवं जिला प्रभारी छन्नी साहू, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य निलांबर वर्मा, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कोमल दास साहू, जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री पं.मिहीर झा, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष आरती महोबिया, जिला पंचायत सदस्य शताक्षी देवव्रत सिंह, निमर्ला विजय वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष छुईखदान नम्रता गिरिराज किशोर दास, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मीरा चोपड़ा, जिला उपाध्यक्ष आरती यादव, खेमेश्वरी वर्म, श्रध्दा अग्रवाल, जिला महामंत्री डॉ. किरण झा, लक्ष्मी सिरमौर, ब्लॉक महिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमकल्याणी तोड़े, ग्रामीण अध्यक्ष हेमलता ठाकुर, ब्लाक अध्यक्ष मुढ़ीपार संतोषी सेन, शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अरूण भरद्वाज, ब्लाक कांग्रेस खैरागढ़ अध्यक्ष संदीप सिरमौर, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष छुईखदान रामकुमार पटेल, विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन, नेता प्रतिपक्ष व पार्षद दीपक देवांगन, सुरेन्द्र सिंह सोलंकी, शहर महामंत्री यतेन्द्रजीत सिंह छोटू, शहर उपाध्यक्ष पूरन सारथी, विजय वर्मा, लता प्रजापति रविन्द्र सिंह गहरवार, भरत चंद्राकर, रिंकू महोबिया, कन्हैया रजक, रतन सिंघी, विनोद सिन्हा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित थे।

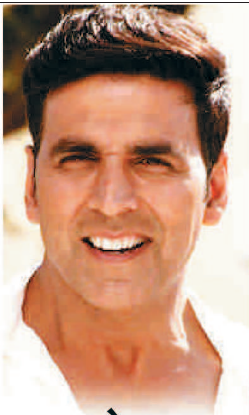

साउथ के इस मशहूर एक्टर के साथ नजर आएंगे अक्षय कुमार?

बॉलीवुड के एक्टर अक्षय कुमार 'भूत बंगला' की कामयाबी से खुश हैं। खबरें हैं कि वह जल्द ही एक बड़े बजट की हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में काम करने वाले हैं। उनके साथ साउथ के कलाकार राणा दग्गुबाती होंगे। इस प्रोजेक्ट को लेकर अभी से काफी चर्चा हो रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के निर्देशक चंदू मोंडेती होंगे।

मेकर्स देंगे सरप्राइज

123 तेलुगु के मुताबिक राणा दग्गुबाती एक महत्वाकांक्षी हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में लीड रोल निभाएंगे। इसकी कहानी उज्जैन के रहस्यमयी बैकग्राउंड पर आधारित होगी। इस फिल्म की कास्ट में अक्षय कुमार भी शामिल हो गए हैं। मेकर्स ने एक बड़ा सरप्राइज भी छिपाकर रखा है। ऐसी अफवाहें हैं कि कोई टॉप हीरो इस फिल्म में कैमियो कर सकता है। हालांकि प्रोजेक्ट को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक एलान नहीं हुआ है।

धर्मा प्रोडक्शंस कर रहा सपोर्ट

इस बड़े प्रोजेक्ट को करण जौहर का धर्मा प्रोडक्शंस सपोर्ट कर रहा है। इससे लगता है कि यह प्रोजेक्ट पैन-इंडिया लेवल का होगा। इस फिल्म को चंदू मोंडेती डायरेक्ट करेंगे। चंदू को 'कार्तिकेय 2' को निर्देशित करने के लिए जाना जाता है। वह पुरानी पहेलियों और रहस्यों पर आधारित कहानियां बुनने के लिए जाने जाते हैं।

अक्षय कुमार का वर्क फ्रंट

अक्षय कुमार फिलहाल हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में तब्बू और वामिका गब्बी भी अहम किरदारों में हैं। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वह जल्द ही फिल्म 'हैवान' का भी हिस्सा होंगे।

राणा दग्गुबाती का वर्क फ्रंट

खबरें हैं कि राणा दग्गुबाती फिल्म 'जय हनुमान' की कास्ट में शामिल हो गए हैं। हालांकि अभी तक इस बारे में कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं आई है। यह फिल्म, 2024 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'हनुमान' का सीक्वल है।

शरवरी ने ये प्रेम मोल लिया को बताया खास

2022 की फिल्म 'ऊंचाई' के लिए बेस्ट डायरेक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद, सूरज बड़जात्या वापस आ रहे हैं। उनकी नई फिल्म का नाम है 'ये प्रेम मोल लिया'। यह एक अच्छी पारिवारिक मनोरंजन फिल्म है। इस फिल्म को लेकर शरवरी वाघ बेहद खुश हैं और उन्होंने फिल्म के निर्देशक सूरज बड़जात्या के लिए कुछ खास लिखा है।

कैसी होगी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया'

मेकर्स ने आज 21 अप्रैल को फिल्म का नाम 'ये प्रेम मोल लिया' और रिलीज डेट बताई है। फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें राजश्री के प्यारे किरदार 'प्रेम' को 12 साल बाद बड़े पर्दे पर लाया जा रहा है। आयुष्मान खुराना पहली बार प्रेम का रोल निभा रहे हैं। उनके साथ मुख्य अभिनेत्री शरवरी वाघ हैं। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स ने मिलकर बनाई है।

शरवरी का खास पोस्ट

शरवरी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, ''ये प्रेम मोल लिया' मेरे लिए एक बहुत खास फिल्म है। सूरज बड़जात्या के साथ काम करना मेरा सबसे बड़ा सपना सच होने जैसा लग रहा है। आयुष्मान के साथ यह सफर और भी खूबसूरत बन गया है।' शरवरी ने आगे लिखा, '27 नवंबर 2026 को सब लोग सिनेमाघर में फिल्म देखने जरूर आएं।'

फिल्म का संगीत होगा खास

इस फिल्म में 12 साल बाद सूरज बड़जात्या और हिमेश रेशमिया फिर साथ काम कर रहे हैं। पिछली बार 2014 में सलमान खान की फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में दोनों ने साथ काम किया था। उस वक्त कई हिट गाने आए थे। अब भी दमदार संगीत आने की उम्मीद है।

आयुष्मान खुराना ने केरल में शुरू की थ्रिलर फिल्म की शूटिंग?

कॉमेडी फिल्मों के बाद अब आयुष्मान खुराना गंभीर भूमिका में वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'काला पानी' फेम समीर सक्सेना कर रहे हैं। फिल्म यश राज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स द्वारा बनाई जा रही है। आयुष्मान की इस फिल्म की शूटिंग अप्रैल की शुरुआत में चुपचाप शुरू हो गई थी। पूरी शूटिंग मई के अंत तक खत्म होने की उम्मीद है। अभी फिल्म का नाम तय नहीं हुआ है। कहानी को गुप्त रखा गया है, लेकिन कथित तौर पर इस फिल्म में आयुष्मान एक आम आदमी की भूमिका निभा रहे हैं, जो अचानक एक खतरनाक और मुश्किल स्थिति में फंस जाता है। इस फिल्म में ज्यादातर सहायक कलाकार नए या कम जाने-माने हैं, जिससे कहानी ज्यादा यथार्थवादी लगेगी।

'टोस्टर' में काम करना मेरे लिए मजेदार अनुभव रहा

'दंगल', 'बधाई हो' और 'जवान' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों की एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा पिछले दिनों अपनी भावनात्मक फिल्म 'मिसेज के जीते अवॉर्ड्स' को लेकर खबरों में थीं, वहीं अब वह चर्चा में हैं अपनी कॉमिडी फिल्म 'टोस्टर' को लेकर। सान्या का कहना है कि अपनी कई फिल्मों में इमोशनल भूमिकाएं करने के बाद असल में वह ऐसे 'फील गुड किरदार' की तलाश में थीं। बकौल सान्या, 'इस फिल्म में काम करना मेरे लिए बहुत मजेदार अनुभव रहा, क्योंकि बतौर ऐक्टर मैं एक ऐसे किरदार के तलाश में थी जिससे मुझे फील गुड वाला अहसास कराए। मैंने इतनी कॉमिडी की भी नहीं है। मैंने ड्रामा वाली फिल्में ज्यादा की हैं और उसमें भी कुछ बहुत इमोशनल वाली भी रही हैं, ऐसे में कॉमिडी करना अच्छा ब्रेक था।' सान्या आगे बताती हैं, 'मुझे ऐसी मजेदार फिल्में देखना भी बहुत पसंद है। उस पर अगर आपको एक ऐसी टीम के साथ काम करने को मिले जहां आपको पता है कि आप सेट पर खुशी-खुशी जाओगे और खुशी-खुशी वापस आओगे। इसके अलावा, फिल्म में जो मेरे को-ऐक्टर्स हैं, उनकी कॉमिक टाइमिंग इतनी कमाल है कि उन्हें ऐक्टिंग करते देखना भी बहुत मजेदार होता है। जैसे, जब आप राज (राजकुमार राव) और अभिषेक (बनर्जी) को कुछ इंप्रोवाइज करते हुए देखते हैं तो बड़ा मजा आता है।'

'खुद कंजूस रही हूं, पर पति कंजूस नहीं चलेगा'

फिल्म में सान्या का पति महाकंजूस होता है, क्या असल जिंदगी में कंजूस पति चलेगा? इस सवाल पर वह कहती हैं, 'भगवान न करे कि कंजूस पति मिले। पता चला लंच के लिए लंगर पर लेकर चला जाए (हंसती हैं)। हालांकि, मैं खुद कंजूस रह चुकी हूं। मैं काफी सोच-समझकर खर्च करने वाली रही हूं और हर चीज खरीदने से पहले काफी सोचती थी, मगर पति तो कंजूस बिल्कुल नहीं चलेगा।'

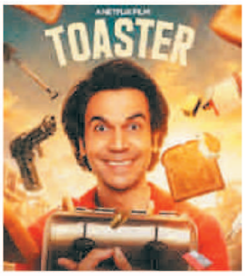

भूत बंगला के बाद अगली कॉमेडी फिल्म की तैयारी में लगे प्रियदर्शन, पंकज त्रिपाठी के साथ करेंगे काम

फिल्ममेकर प्रियदर्शन, जिन्होंने हाल ही में हॉरर-कॉमेडी 'भूत बंगला' दी है। इस फिल्म के साथ उनकी और अक्षय कुमार की जोड़ी करीब 16 साल बाद साथ लौटी है। इसके बाद डायरेक्टर अब एक नई कॉमेडी फिल्म बनाने की तैयारी में हैं।

क्या होगी फिल्म की कहानी

प्रियदर्शन अब एक नई कॉमेडी फिल्म डायरेक्ट करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अनटाइटल्ड फिल्म का अंदाज उनकी पुरानी फिल्मों 'हंगामा' और 'द शौकीन्स' जैसा होगा। खबरों के अनुसार, कहानी 3 बुजुर्ग आदमियों के इर्द-गिर्द घूमेगी, जो अजीब और मुश्किल हालातों का सामना करते हैं। इसमें प्रियदर्शन का वही खास सिचुएशनल ह्यूमर देखने को मिलेगा, जिसके लिए वह जाने जाते हैं। यह प्रोजेक्ट डायरेक्टर के लिए कई पुराने साथियों के साथ फिर से काम करने का मौका भी है।

क्या होगी फिल्म की स्टारकास्ट

इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अन्नू कपूर और शुक्ला लीड रोल में नजर आएंगे। प्रियदर्शन करीब 16 साल बाद पंकज त्रिपाठी के साथ काम करेंगे, जिन्होंने पहले 'आक्रोश' में साथ काम किया था। वहीं, सौरभ शुक्ला ने उनके साथ आखिरी बार 'ये तेरा घर ये मेरा घर' (2001) में काम किया था। अन्नू कपूर भी तीन दशक बाद उनके साथ जुड़ रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 'मुस्कुराहट' (1992) और 'गर्दिश' (1993) में साथ काम किया था। इसके अलावा, राजपाल यादव भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभा सकते हैं। वहीं, फिल्म की फीमेल लीड की कास्टिंग अभी चल रही है।

प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म से पहले बनेगी ये फिल्म

बताया जा रहा है कि यह फिल्म प्रियदर्शन के 100वें डायरेक्शन प्रोजेक्ट से पहले जल्दी में बनाई जाएगी। उनकी 100वीं फिल्म में मोहनलाल नजर आएंगे और इसकी शूटिंग नवंबर 2026 में शुरू हो सकती है।

लाइफ पार्टनर ऐसी चाहिए जो मुझे झेल पाए, हमें झेलना थोड़ा मुश्किल है

'लैला मजनू', 'ओ रोमियो' जैसी फिल्में हों या 'खाकी: द बिहार चैप्टर', 'काला', 'बंबई मेरी जान' जैसी वेब सीरीज, एक्टर अविनाश तिवारी ने पर्दे पर इंटेंस, ग्रे और गंभीर भूमिकाओं में अपनी अलग धाक जमाई है। लेकिन अब अपनी नई फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में वह पहली बार नाच-गाने, रोमांस वाली फुल मसाला एंटरटेनर में नजर आने वाले हैं। पेश है उनसे यह खास बातचीत।

आपकी फिल्म शादी के इर्द-गिर्द है, कभी आप पर यह दबाव नहीं आया कि अब शादी की उम्र हो गई है! बुआ-चाची ने फोटोज नहीं भेजीं?

बिल्कुल भेजी हैं। यह पूरा जो चक्र होता है शादी कर लो वाला, वो दो-तीन बार पूरा हो चुका है। पहली बार जब मैं 28-30 साल के पास पहुंचा तब ये बात शुरू हुई कि अब शादी कर लेनी चाहिए। दो-चार साल यह सब चला, फिर वे शांत हो गए कि इसका कुछ होना नहीं है। पांच साल बाद फिर उन्होंने शुरू किया। वहीं, अब तीसरी बार वापस यह चालू हुआ है। मेरी भी चाहत है कि मैं उनकी ये ख्वाहिश पूरी कर दूं। लड़की मिले तो मैं ये काम करूं।

ऐसा क्या ढूंढ़ रहे हैं लड़की में, जो नहीं मिल रही?

मेरी जो जरूरतें या चाहतें हैं वो तो अपनी जगह है मगर सबसे जरूरी बात ये है कि वो मुझे झेल पाए। शादी के रिश्ते के सफल होने के लिए बहुत जरूरी है कि दोनों एक-दूसरे के लिए झेल पाएं। मेरा मानना है कि मुझे झेलना थोड़ा मुश्किल है। जैसे, फिल्म में सनी जैसे आदमी को लक्ष्मी, सरस्वती, दुर्गा का रूप सरीखी गिन्नी संभाल सकती है। मेरे जैसे आदमी को झेलने के लिए एक पार्वती भी चाहिए तो ऊपरवाला जब ऐसा कोई बनाएगा तो देखेंगे।

आपको लगता है कि यह फिल्म सही समय पर थिएटर में आ रही है, क्योंकि हाल ही में 'धुरंधर' देखने के लिए दर्शक भर-भरकर कर सिनेमा हॉल पहुंचे?

यह एक चक्र होता है, जिसमें कुछ फिल्में ऐसी आएंगी जो बहुत बिजनेस करेंगी। फिर कुछ ऐसी फिल्में होंगी जो बिल्कुल नहीं चलेंगी। मुझे लगता है कि यह किसी को नहीं पता कि कौन सी चीज दर्शकों को थिएटर में ला सकती है। जब फिल्म चल जाती है तो सब लोग जीनियस हो जाते हैं। सबको पता हो जाता है कि क्या करना है। वहीं, जब फिल्म नहीं चलती है तो हर कोई बोलता है कि इन्हें कुछ नहीं पता, कुछ नहीं आता कि कैसे आएगी ऑडियंस? पर हर किसी की कोशिश तो यही होती है कि उन्होंने जो बनाया है, वो ऑडियंस को पसंद आए। कोई इसलिए तो फिल्म बनाता नहीं है कि कोई उसे देखने ना आए। रही बात 'धुरंधर' की, तो वह बहुत अच्छे से बनाई गई फिल्म है। उसका क्राफ्ट लाजवाब है, स्टोरी टेलिंग जबरदस्त है। वह एक फिल्म है, उसमें कुछ लोग रिएलिटी ढूंढ़ने लगे तो उनकी दिक्कत है। लोगों के अपने-अपने नैरेटिव हैं, मैं उसमें नहीं जाना चाहता लेकिन जहां तक फिल्म मेकिंग के क्राफ्ट की बात है, वो टॉप नॉच है। अच्छी बात यह है कि ऑडियंस भी इवॉल्व हो रही है। इससे उम्मीद बंधती है कि अगर लोग क्वॉलिटी वर्क को सराहेंगे, तो जो लोग क्वॉलिटी काम करते हैं उनका कद बढ़ेगा और मैं उम्मीद करता हूं कि ऐसा हो।

आपने पर्दे पर सीरियस, इंटेंस रोल ज्यादा किए हैं। इस फिल्म में पहली बार नाच-गाना, रोमांस-कॉमिडी सब करते दिख रहे हैं। यह अनुभव कितना अलग रहा?

मुझे बहुत मजा आया क्योंकि पहली बार मुझे टिपिकल बॉलीवुड मसाला फिल्म करने का मौका मिला और हर एक्टर ऐसी फिल्म करना चाहता है तो मैं बहुत शुक्रगुजार हूं कि मुझे यह फिल्म मिली। खास बात यह है कि इसे शूट करने से दो दिन पहले तक मैं जो फिल्म शूट कर रहा था वो बहुत ही इंटेंस था तो मुझे इतना वक्त ही नहीं मिल पाया कि मैं उस जोन से निकलकर इसमें आ पाऊं। इसके बावजूद, सब कुछ बहुत मजेदार तरीके से हो पाया, उसका एक बड़ा श्रेय मेरी को-एक्टर मेधा शंकर को जाता है। जब मैं सेट पर आया तो उनका पहला सवाल था- आज रात को हम कहां घूमने जा रहे हैं? तो ऐसी फिल्म के लिए एक जो एनर्जी होनी चाहिए, वो शुरू में ही सेट हो गई। वह इतनी खुशदिल इंसान हैं, जैसे रेगिस्तान में कहीं-कहीं जो हरियाली होती है न, वैसा था।

डीएमएफ अंतर्गत स्वीकृत कार्यो एवं आगामी कार्ययोजना पर की गई विस्तृत चर्चा

कलेक्टर जितेन्द्र यादव की अध्यक्षता में जिला खनिज संस्थान न्यास शासी परिषद की हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) शासी परिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सांसद संतोष पाण्डेय, खुज्जी विधायक भोलाराम साहू, डोंगरगढ़ विधायक श्रीमती हर्षिता बघेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, विधायक प्रतिनिधि संतोष अग्रवाल, वनमंडलाधिकारी आयुष जैन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में नवीन प्रावधानों के अनुरूप डीएमएफ के कार्यों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई।

सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि जिला खनिज न्यास समिति के माध्यम से जनप्रतिनिधि एवं नामांकित सदस्य मिलकर जिले के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लेते हैं। उन्होंने कहा कि शासन के प्रावधानों के अनुसार शिक्षा, पेयजल, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में कार्य करना अनिवार्य है तथा खनन प्रभावित क्षेत्रों में प्राथमिकता के साथ विकास कार्य सुनिश्चित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि समिति के निर्णय सर्वसम्मति से लिए जाते हैं और आगामी प्रस्तावों को भी सभी की सहमति से क्रियान्वित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलेगी।

कलेक्टर ने बताया कि नवीन नियमों के अनुसार डीएमएफ अंतर्गत पंचवर्षीय कार्ययोजना तैयार करना अनिवार्य किया गया है, जिसके तहत आगामी पांच वर्षो के लिए विकास कार्यो की रूपरेखा निर्धारित की जाएगी। साथ ही वार्षिक कार्ययोजना को सेक्टरवार तैयार किया जा रहा है, ताकि आवश्यकता अनुसार कार्यो को चरणबद्ध रूप से स्वीकृति दी जा सके। उन्होंने बताया कि वतर्मान वित्तीय वर्ष में सीमित राशि उपलब्ध होने के कारण संसाधनों का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। विशेष रूप से खनन प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, आंगनबाड़ी, महिला एवं बाल विकास, पर्यावरण संरक्षण तथा कौशल विकास जैसे उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में कार्य किए जाएंगे। इसके साथ ही अधोसंरचना, सिंचाई एवं अन्य आवश्यक कार्यो को भी नियमानुसार शामिल किया जाएगा।

कलेक्टर ने बताया कि खनन से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हितग्राहियों के लिए हितग्राही मूलक योजनाओं को भी डीएमएफ से जोड ? की दिशा में कार्य किया जा रहा है। खनन क्षेत्र से 15 किलोमीटर तक के क्षेत्र को प्रत्यक्ष प्रभावित तथा 25 किलोमीटर तक के क्षेत्र को अप्रत्यक्ष प्रभावित क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है। इसी आधार पर जिले के प्रभावित ग्रामों की सूची तैयार कर अनुमोदन हेतु प्रस्तुत की गई। उन्होंने कहा कि डीएमएफ निधि का 70 प्रतिशत हिस्सा उच्च प्राथमिकता वाले कार्यों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं कौशल विकास पर व्यय किया जाएगा तथा शेष राशि अन्य आवश्यक अधोसंरचनात्मक कार्यो पर खर्च की जाएगी। डीएमएफ निधि के उपयोग में पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास को प्राथमिकता दी जाएगी। बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं एवं सुझावों से अवगत कराया गया, जिस पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में सदस्य जिला पंचायत श्रीमती देवकुमारी साहू, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

नोनी सुरक्षा योजना से सुरक्षित हुआ नव्या का भविष्य

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित एवं प्रभावी निराकरण किया जा रहा है, ताकि आवेदकों को समयबद्ध तरीके से राहत मिल सके। इसी कड़ी में राजनांदगांव शहर के तुलसीपुर वार्ड क्रमांक 17 निवासी राहुल कुमार दास द्वारा अपनी बिटिया नव्या वैष्णव को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित नोनी सुरक्षा योजना का लाभ दिलाने के लिए कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को आवेदन एवं दस्तावेजों की जांच उपरांत पात्र पाए जाने पर नव्या वैष्णव को नोनी सुरक्षा योजना से लाभान्वित करने निर्देशित किया। कलेक्टर के निर्देशानुसार विभागीय अधिकारियों द्वारा प्राप्त आवेदनों एवं दस्तावों की जांच की गई। योजना के तहत निर्धारित मापदण्ड अनुसार पात्र पाए जाने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए हितग्राही बच्ची के अभिभावकों से संपर्क किया गया और हितग्राही के आवेदन को ऑनलाईन पोर्टल पर दर्ज किया गया। साथ ही बच्ची के माता-पिता को पोर्टल पर प्राप्त होने वाली दर्ज संख्या एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। बच्ची के माता-पिता नोनी सुरक्षा योजना का लाभ प्राप्त कर अत्यंत ही प्रसन्न है। उन्होंने नोनी सुरक्षा योजना से लाभान्वित करने तथा बच्ची के सुरक्षित भविष्य के लिए शासन-प्रशासन को धन्यवाद दिया।

खास खबर

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित न होने पर नपाअध्यक्ष ने लाया निंदा प्रस्ताव

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

नगर पालिका परिषद कवर्धा में परिषद की बैठक आयोजित किया गया, बैठक में लाये गये समस्त प्रस्तावों पर नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने विस्तार से चर्चा कर पारित कराया। उन्होनें नारी शक्ति वंदन अधिनियम में प्रस्तावित महत्तवपूर्ण संशोधनों के लोकसभा में पारित न होने के कारण आक्रोश व्यक्त करते हुए निंदा प्रस्ताव पारित कराया।

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश की मातृशक्ति को सम्मान, अधिकार और नेतृत्व प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक पहल है। महिलाओं की राजनीतिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक भागीदारी को मजबूत करने वाले प्रस्तावित महत्वपूर्ण संशोधनों का लोकसभा में पारित नहीं होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं निराशाजनक है। यह केवल महिलाओं की अपेक्षाओं को आहत करने वाला विषय नहीं है, बल्कि देश के समग्र विकास एवं समान सहभागिता की भावना के भी विपरीत है। आज नगर पालिका परिषद कवर्धा की परिषद बैठक में निंदा प्रस्ताव पारित कर हमने यह स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया है कि महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों पर किसी भी प्रकार की अनदेखी स्वीकार नहीं की जा सकती। नगर पालिका परिषद सदैव महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा, नेतृत्व क्षमता एवं उनके अधिकारों के समर्थन में खड़ी रही है और आगे भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी।

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम में प्रस्तावित महत्तवपूर्ण संशोधनों के लोकसभा में पारित न हो पाने पर आक्रोश व्यक्त करती है इंडिया गठबंधन की इस महिला विरोधी मानसिकता की घोर निंदा करते है जिसके कारण देश की आधी आबादी को उनका अधिकार दिलाने वाले इस अहम कदम को संसद में अवरूद्ध किया गया। उन्होनें संकल्प लेते हुए कहा कि विपक्ष के इस महिला विरोधी कृत्य और उनके दोहरे चरित्र को समाज के हर वर्ग तक लेकर जाएंगे। हमारी टीम महिलाओं की सशक्त राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्व है और जब तक नारी शक्ति को नीति निर्माण में उनका उचित एवं संवैधानिक अधिकार नही मिल जाता, हम इस विषय पर अपनी निंदा और विरोध दर्ज कराते रहेगें।

सांसद संतोष पाण्डेय बने निक्षय मित्र, सांसद ने टीबी मरीजों को प्रदान किए पोषण किट

राजनांदगांव। सांसद संतोष पाण्डेय ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत टीबी मरीजों को पोषण किट प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने दो टीबी मरीजों को गोद लेकर निक्षय मित्र के रूप में सहयोग करने का संकल्प लिया। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने भी दो टीबी मरीजों को गोद लेकर निक्षय मित्र बने।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत कोई भी व्यक्ति, संस्था, एनजीओ, औद्योगिक इकाई या जनप्रतिनिधि निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को गोद ले सकते है और उन्हें 6 माह तक प्रति माह लगभग 500 रूपए राशि का पोषण आहार उपलब्ध करा सकते है। इसमें तीन किलो चावल, डेढ़ किलो दाल, 250 मिलीलीटर तेल एवं एक किलो मूंगफली शामिल है। जिला क्षय अधिकारी डॉ. अल्पना लूनिया ने बताया कि यह अभियान 100 दिनों तक संचालित होगा, जिसके अंतर्गत जिले के सभी हाई-रिस्क क्षेत्रों में आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित किए जाएंगे तथा 14 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का निःशुल्क एक्स-रे किया जाएगा। जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार ने बताया कि अभियान में 22 वार्ड पार्षद एवं 291 पंचायत प्रतिनिधि सक्रिय रूप से शामिल हैं। इस अवसर पर विधायक खुज्जी भोलाराम साहू, विधायक डोंगरगढ़ श्रीमती हर्षिता बघेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा, वनमंडलाधिकारी आयुष जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बजट में जनता पर कोई बोझ नही, अब कोई नया कर प्रस्तावित नहीं : चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी

कवर्धा नपाध्यक्ष के अध्यक्षीय कार्यकाल का दूसरा बजट हुआ पेश

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

नगर पालिका परिषद कवर्धा के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने अपने कायर्काल का दूसरा बजट पेश करते हुए विकास को नगर पालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। बजट प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि यह बजट शहर के समग्र विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार और जनआकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में कवर्धा शहर विकास की उंचाईयों को आगे बढ़ायेगा।

प्रस्तुत बजट को परिषद की सभा में सर्वसम्मति से पारित किया गया। अध्यक्षीय कायर्काल का दूसरा बजट विकास, विश्वास और जनसेवा की भावना पर आधारित है। नगर पालिका परिषद जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करते हुए हर वर्ग के हितों का ध्यान रखेगी और कवर्धा को स्वच्छ, सुंदर एवं सुविधायुक्त शहर बनाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध रहेगी। बजट में कोई नया कर प्रस्तावित नही किया गया है उन्होंने बजट पूर्व परंपरा अनुसार राष्ट्रगान व राजगीत की धुन से कार्यवाही शुरू की।

शहर विकास के लिए विशेष प्रावधान

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रवंशी ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने, सड़क एवं नाली निर्माण, स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने, पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट, उद्यानों के विकास तथा शहर के सौंदर्यीकरण के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नगर पालिका का उद्देश्य केवल विकास कार्य कराना नहीं, बल्कि लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाना है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कवर्धा तेजी से विकसित हो रहा शहर है और आने वाले वर्षो में इसे आधुनिक एवं व्यवस्थित नगर के रूप में पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने शहरवासियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि जनता के विश्वास और सहभागिता से ही विकास का यह संकल्प पूर्ण होगा।

अनमानित आय व्यय पत्रक

इस प्रकार आगामी वित्तीय वर्ष हेतु अनुमानित आय व्यय पत्र बजट प्रस्तुत किया गया है इसमें वर्ष 2026-27 हेतु अनुमानित आय 9397.18 लाख (अक्षरी-तिरानवे करोड़ सन्तानवे लाख अठ्ठाह हजार रूपये) तथा व्यय 9380.70 (अक्षरी-तिरानवे करोड़ अस्सी लाख सत्तर हजार रूपये) प्रस्तावित किया गया है इस प्रकार बजट में 16 लाख 47 हजार का लाभ का बजट प्रस्तुत किया गया है।

10 चौक-चौराहों का सौंदर्यीकरण

नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत करपात्री चौक, संतगाडगे चौक, सहस्त्र बाहु चौक, करपात्री चौक, मिनीमाता चौक, शहीद कौशल यादव चौक, परशुराम चौक, झंडा चौक, ऋषभ देव चौक का सौंदर्यीकरण, तालाबों का सौंदर्यीकरण में रेवाबंद तालाब, बावा तालाब, डबरी तालाब, वार्ड क्रं. 26 स्थित तालाब का जीणीद्वार कार्य होगा। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश ने अपने बजट प्रस्तुत करते हुए बताया कि विकास के लिए इस बजट शहर विकास के लिए अनुमानित लागत राशि का बजट प्रस्तुत किया गया है जिसमें शासन से राशि मांग के अनुरूप कार्य कराया जाना प्रस्तावित रहेगा। उन्होनें अधोसंरचना विकास अंतर्गत आवश्यकतानुसार शहर के वाडी में सीसी रोड, नाली निर्माण, पुराने डिवाईडरों का जीणीद्वार एवं नवीन डिवाईडर का निर्माण, डिवाईडरों में लगे पुराने पोल का हटाकर नवीन पोल एवं 400 नग नया स्ट्रीट लाईट पोल की स्थापना कार्य, राज्य प्रवर्तित योजना अंतर्गत ट्रांसपोर्ट नगर के पीछे नवीन मछली एवं मटन मार्केट का निर्माण किया जोगा।

स्वच्छता के क्षेत्र अनुकरणीय पहल

स्वच्छता के क्षेत्र में नवीन एस.टी.पी. (सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट) का निर्माण, कवर्धा शहर के प्रमुख नालियों का डेज्नेज सिस्टम तैयार किया जाना, पुराने एस.टी.पी. प्लांट का जीणीद्वार कार्य, घर-घर कचरा संग्रहण हेतु नवीन डस्टबीन का वितरण, डोर टू डोर कचरा संग्रहण हेतु ऑटा, टिप्पर की व्यवस्था करना, घर-घर कचरा संग्रहण पश्चात कचरो का पुर्नचक्रीकरण (रिसाईकलिंग कार्य) हेतु नवीन प्रोससिंग प्लांट की स्थापना ताकि प्लास्टिक कचरों से मुक्ति मिले।

इन कार्यों पर फोकस

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी द्वारा नगर पालिका कार्यालय के सभाकक्ष में पेश किया गया। यह उनके कायर्काल का पहला बजट था। इस बजट में नगर पालिका क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं का प्रस्ताव किया गया, जिसमें अधोसंरचना, केन्द्र प्रवर्तित योजना, राज्य प्रवर्तित योजना, पार्षद निधि, अध्यक्ष निधि, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, शिक्षा, जल आपूर्ति, और स्वच्छता संबंधित कायी को शामिल किया गया है।

पेयजल के क्षेत्र में शहर के प्रमुख 5 स्थानों पर वॉटर हार्वेस्टिंग रिसोर्सिंग सेंटर जो वर्षा जल का संरक्षण करेगा, आवश्यकतानुसार स्थानों पर नवीन पानी टंकी का निर्माण, नवीन पाईप लाईन विस्तारीकरण, पुराना फिल्टर प्लांट का जीणीद्वार कार्य, सामुदायिक, सांस्कृतिक भवन निर्माण अंतर्गत पुराना किसान राईस मिल विंध्यवासिनी मंदिर के पास सर्वजन मांगलिक भवन निर्माण, सियान सदन भवन का निर्माण, कैलाश नगर में एसएलआरएम सेंटर के पास सामुदायिक भवन निर्माण, मुक्तिधाम विकास अंतर्गत वार्ड क्रं. 27 स्थित मुक्तिधाम का विकास, भाजपा कार्यालय के सामने मुक्तिधाम का विकास, सतनामी समाज मुक्तिधाम का विकास, खेल मैदान का उन्नयन कार्य सरदार पटेल मैदान का उन्नयन कार्य, इंडोर स्टेडियम का उन्नयन कार्य, छीरपानी कालोनी स्थित खेल मैदान का उन्नयन कार्य, रानी झांसी बालोद्यान का उन्नयन कार्य, सड़को का सौंदर्यीकरण कार्य बीएसएनएल कार्यालय से कलेक्टर कालोनी शिव मंदिर के पीछे से होते हुए हॉस्पिटल कालोनी तक सड़क चौड़ीकरण कार्य, जिला पंचायत कार्यालय से लेकर वन विभाग काष्ठागार गेट (सांई मंदिर के सामने) तक सड़क चौडीकरण कार्य, गंगा नगर पानी टंकी से लेकर स्पेशल ब्रांच (आई.बी.) पुलिस कार्यालय तक सड़क चौडीकरण कार्य, गंगा नगर पानी टंकी से लेकर कलेक्टर, एसपी जिला-कबीरधाम का निवास मार्ग तक, बीएसएनएल कार्यालय चौक से कन्या महाविद्यालय होते हुए तहसील कार्यालय तक रोड़ चौड़ीकरण कार्य, भगवा झंडा चौक से लेकर पुराना ए.डी.जे.कोर्ट कार्यालय तक सड़क चौड़ीकरण कार्य, नवीन नाला का निर्माण ठाकुर देव चौक से लेकर गुरूनाला नारायणी हॉटल तक बड़ा नाला निर्माण, ऋषभ देव चौक से लेकर मिनीमाता चौक तक बड़ा नाला निर्माण, विद्यालय का विकास कैलाश नगर हाईस्कूल का हायर सेकेण्डरी में उन्नयन कार्य, शक्तिवार्ड हाईस्कूल का हायर सेकेण्डरी में उन्नयन, कवर्धा शहर के 6 स्थानों पर पर नवीन आंगनबाड़ी भवन का निर्माण, आपदा प्रबंधन योजनांतर्गत गुरूनाला का निर्माण, नवीन प्रधानमंत्री आवास का निर्माण, शहर के प्रमुख 5 स्थानों पर हॉट बाजार का निर्माण, पर्यावरण के क्षेत्र में-शहर के आवश्यकतानुसार स्थानों पर शहरवासियों, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक संस्थाओं की सहभागिता से 1000 नग पेड़ लगाने का संकल्प, माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अनुरूप सकरी नदी में समनापुर पुल से लेकर नीचे तक रिवर फ्रंट तटबंध का निर्माण, पुराना जिला चिकित्सालय परिसर में नवीन उद्यान का निर्माण, यातायात व्यवस्था हेतु गांधी मैदान में अस्थायी पार्किंग व्यवस्था, पुरानी कृषि उपज मंडी में अस्थायी पार्किंग व्यवस्था करने का संकल्प पारित किया गया।

दिल्ली में चमका कबीरधाम का परचम : खिलाड़ियों ने जीता रजत पदक

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण जब एक साथ मिलते हैं, तो सफलता खुद कदम चूमती है। ऐसा ही गौरवपूर्ण क्षण तब देखने को मिला जब अशोका पब्लिक स्कूल के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय मंच पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से कबीरधाम जिले का नाम रोशन कर दिया।

स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 69वीं शालेय राष्ट्रीय बेसबॉल मिनी एवं सॉफ्टबॉल मिनी (बालक/बालिका वर्ग) प्रतियोगिता का आयोजन 16 से 22 अप्रैल तक दिल्ली में किया गया। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए अशोका पब्लिक स्कूल के छात्र तान्या सिन्हा और दीक्षांत यादव का चयन बेसबॉल मिनी वर्ग में तथा गुनिस्का जांगड़े का चयन सॉफ्टबॉल मिनी वर्ग में हुआ। वहीं विद्यालय के खेल शिक्षक राजा जोशी को टीम का कोच नियुक्त किया गया।

प्रतियोगिता में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ टीम ने बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में रजत पदक हासिल किया। इस उपलब्धि में विद्यालय के छात्र दीक्षांत यादव और तान्या सिन्हा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। यह उपलब्धि उस समय और भी विशेष बन गई जब यह गौरवपूर्ण समाचार विद्यालय के एडमिन सागर नामदेव के जन्मदिन के शुभ अवसर पर प्राप्त हुआ। मानो विद्यार्थियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से उन्हें एक अनमोल उपहार भेंट किया हो। अपने जन्मदिन पर बच्चों की इस शानदार सफलता ने पूरे विद्यालय परिवार को गर्व और खुशी से भर दिया तथा यह क्षण सभी के लिए अविस्मरणीय बन गया।

विद्यालय के संचालक पवन देवांगन ने बताया कि संस्थान में शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियों को भी समान महत्व दिया जाता है। यही कारण है कि पिछले तीन वर्षो से विद्यालय कबीरधाम जिले में सर्वाधिक राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पदक विजेता खिलाड़ियों की संख्या में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारे विद्यार्थियों की यह उपलब्धि न केवल विद्यालय बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। यह सफलता आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनेगी।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय के संचालक पवन देवांगन, संचालिका सारिका देवांगन, प्राचार्य एस.एल.नापित, उप-प्राचार्य लोकनाथ देवांगन, एडमिन सागर नामदेव, लेखापाल अभिषेक केशरवानी, खेल शिक्षक मनीष निषाद, शैलेंद्र वर्मा, मीरा साहू सहित समस्त स्टाफ ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। छोटे शहरों से उठती बड़ी उड़ानें ही देश का भविष्य तय करती हैं अशोका पब्लिक स्कूल के इन होनहार खिलाड़ियों ने इस कथन को एक बार फिर सच साबित कर दिखाया है। उक्त समस्त जानकारी विद्यालय मीडिया प्रभारी हिन्दी पीजीटी अशोक कुमार इनवाती के द्वारा दी गई।

रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) योजना : 91 दर्शनार्थी आज विशेष ट्रेन से होंगे रवाना

राजनांदगांव। रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत जिले के 91 श्रद्धालु 29 अप्रैल को विशेष ट्रेन के माध्यम से अयोध्या धाम के लिए रवाना होंगे। इस संबंध में अपर कलेक्टर प्रेम प्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें यात्रा के दौरान यात्रियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। अपर कलेक्टर ने यात्रा के दौरान यात्रियों के ठहरने, भोजन, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ-साथ गर्मी से बचाव के विशेष उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को सवीच्च प्राथमिकता देने कहा। उप संचालक समाज कल्याण श्रीमती वैशाली मरडवार ने बताया कि यात्रा 29 अप्रैल से 2 मई 2026 तक संचालित होगी। यात्रा से पूर्व सभी दशर्नार्थियों के लिए राजनांदगांव शहर में स्थानीय उदयाचल भवन में ठहरने की व्यवस्था की गई है। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विकास कार्यों में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका : सांसद

शासन की योजनाओं की समीक्षा करते हुए दिए आवश्यक दिशा-निर्देश, जिले के विकास के मुद्दों पर की गई सार्थक चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सांसद संतोष पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक खुज्जी भोलाराम साहू, विधायक डोंगरगढ़ हर्षिता बघेल, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव, कलेक्टर जितेन्द्र यादव, पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, वनमंडलाधिकारी आयुष जैन, जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह उपस्थित थे।

सांसद संतोष पाण्डेय ने केन्द्र एवं राज्य शासन की योजनाओं सहित जिले के नवाचार के क्रियान्वयन, प्रगति तथा विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बैठक में प्राप्त सुझावों एवं समस्याओं को समय-सीमा में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कार्य पेयजल समस्या, स्कूलों में आवश्यक सुधार तथा अन्य जनहित से संबंधित अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, उन कार्यों को प्राथमिकता के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। समाज की भागीदारी से ही योजनाओं का प्रभाव अधिक व्यापक होता है। केवल शासकीय प्रयासों से अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते, बल्कि जनजागरूकता और समाज की सक्रिय भागीदारी से ही योजनाएं प्रभावी बनती हैं। उन्होंने केंद्र एवं राज्य शासन की मंशा के अनुरूप विभिन्न विभागों की प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा आवश्यकतानुसार समय-समय पर बैठक आयोजित करने कहा।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि जिले में जल संरक्षण एवं फसल विविधीकरण के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। जो प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के बेहतर समन्वय का परिणाम हैं। उन्होंने आगे भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखते हुए लंबित कार्यों के त्वरित निराकरण किया जाएगा। कलेक्टर ने जनगणना 2027 के प्रथम चरण की जानकारी देते हुए बताया कि 1 मई से हाउस लिस्टिंग कार्य प्रारंभ होगा, जिसके पूर्व स्व-गणना पोर्टल की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से कहा कि वे स्वयं एवं अपने परिवारजनों की जानकारी स्व-गणना पोर्टल में पूर्ण करें तथा आमजन को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने महतारी वंदन योजना के तहत निःशुल्क ई-केवाईसी कार्य में सीएससी सेंटर द्वारा राशि लेने के संबंध में शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल जांच कर संबंधित एजेंसी को ब्लैक लिस्टेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा पिछले 4 माह में जो शिक्षक लंबे समय से अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई की गई है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में हैण्डपंप के केसिंग पाईप को ऊपर उठाने के निर्देश दिए। जिससे ग्रामीणों को किसी प्रकार से पानी की समस्या नहीं होनी चाहिए।

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं के घर से बाहर जाने की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस समस्या की रोकथाम के लिए स्कूल शिक्षा विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वित जागरूकता अभियान चलाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते बच्चों में जागरूकता विकसित की जाए, तो ऐसी घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। उन्होंने दुर्घटनाजन्य स्थानों पर पर्याप्त मात्रा में प्रकाश व्यवस्था के साथ साईन बोर्ड लगाने कहा। वनमंडलाधिकारी आशुष जैन ने बताया कि जिले में संग्रहण कार्य 1 से 5 मई के बीच प्रारंभ होगा। इस वर्ष तेंदूपत्ता की दरों में वृद्धि हुई है, जिससे संग्राहकों को लाभ मिलेगा।

सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने बताया कि पिछले दो वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत 28 हजार से अधिक आवाओं को पूर्ण किया गया है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा ग्रामीण बीपीएल परिवारों के युवक-युवतियों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। जिससे स्वरोजगार से जोड़ने के लिए हुनरमंद बनाया जाता है। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों में संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों के साथ नवाचारों की जानकारी दी। बैठक में सदस्य जिला पंचायत श्रीमती देवकुमारी साहू, विधायक प्रतिनिधि संतोष अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम में बाधा पर जिला पंचायत का निंदा प्रस्ताव, विरोध में किया प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत प्रस्तावित संशोधनों में कथित बाधा उत्पन्न करने को लेकर विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस पार्टी के खिलाफ कड़े शब्दों में जिला पंचायत खैरागढ़ छुईखदान गंडई के व्दारा बैठक में निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से इस मुद्दे पर अपना विरोध दर्ज कराया।

बैठक के दौरान सदस्यों ने कहा कि इस अधिनियम के माध्यम से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का मार्ग प्रशस्त किया गया था। जो देश की आधी आबादी को उनका संवैधानिक अधिकार दिलाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उनका आरोप था कि विपक्ष ने इस प्रक्रिया में बाधा डालकर महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय किया है।

जनप्रतिनिधियों ने विपक्ष के रवैये की आलोचना करते हुए इसे नकारात्मक राजनीति करार दिया। उनका कहना था, कि जहां केंद्र सरकार महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए प्रयासरत है,वहीं विपक्ष इस दिशा में रुकावट पैदा कर रहा है। सदस्यों ने इसे महिलाओं के उत्थान में बाधा बताते हुए दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

जिला पंचायत के सदस्यों ने यह भी कहा कि यह विधेयक देश की महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। इसे रोकना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है और महिलाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ के समान है। बैठक के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों ने काली टोपी पहनकर विरोध प्रदर्शन किया और नारेबाजी के माध्यम से अपना आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने चेतावनी दी कि महिलाओं के अधिकारों के मुद्दे पर जिला पंचायत जन-जन तक पहुंचेगी और विरोध जारी रखेगी।

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रियंका खम्मन ताम्रकार ने कहा कि महिलाओं के सम्मान और अधिकारों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर संघर्ष जारी रहेगा और इस तरह के कृत्य लोकतंत्र के इतिहास में नकारात्मक उदाहरण के रूप में याद किए जाएंगे। इस दौरान जिला भाजपा महामंत्री शशांक ताम्रकार, सांसद प्रतिनिधि खम्हन ताम्रकार, सभापति, दिनेश वर्मा, अरुणा बनाफर, जमुना कुर्रे, हेमा मंडावी, निजाम मंडावी, नरेश कुर्रे उपस्थित थे।

आग लगी या लगाई गई :हमर क्लिनिक भवन में आग, शुरू होने से पहले ही जलकर खाक

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

हमर क्लिनिक भवन अमलीपारा में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से लाखों की संपत्ति जल गई। बिजली कनेक्शन न होने से शॉर्ट सर्किट की संभावना नही बनती,पुलिस जांच में जुट गई है।

हमर क्लिनिक योजना सवालो के घेरे में

जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बनाई गई हमर क्लिनिक योजना एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 12 अमलीपारा स्थित क्लिनिक भवन में सोमवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई, जिससे लाखों रुपये की संपत्ति जलकर खाक हो गई। यह वार्ड नगर पालिका अध्यक्ष गिरीजा चंद्राकर का वार्ड है। हैरानी की बात यह है कि यह क्लिनिक अभी तक आम जनता के लिए शुरू भी नहीं हो पाया था।

जानकारी के अनुसार, उक्त क्लिनिक का निर्माण स्थानीय लोगों को निःशुल्क ओपीडी, प्राथमिक उपचार, दवाइयां और बेसिक जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया था। लेकिन निर्माण के कई महीनों बाद भी यहां स्वास्थ्य सेवाएं शुरू नहीं हो सकीं। इसके बजाय स्वास्थ्य विभाग ने इस भवन का उपयोग राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम चिरायु के दस्तावेजों को रखने के लिए स्टोर रूम के रूप में करना शुरू कर दिया था।

सोमवार रात अचानक हमर क्लिनिक भवन में आग लग गई जिससे वहां रखे चिरायु योजना से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज, रजिस्टर और फाइलें जलकर पूरी तरह नष्ट हो गईं। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और स्थानीय लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। इस मामले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आशीष शर्मा ने बताया कि भवन में अभी तक बिजली कनेक्शन लिया ही नहीं गया था। जिससे शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना को खारिज किया जा रहा है।

साजिश की आशंका गहराई

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के इस बयान के बाद आगजनी को लेकर साजिश की आशंका और गहरा गई है। अब यह सवाल उठ रहा है कि आखिर बिना बिजली के इस भवन में आग कैसे लगी। अमलीपारा वार्ड को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जाता है। जहां स्थानीय विधायक यशोदा निलांबर वर्मा और नगर पालिका अध्यक्ष गिरीजा चंद्राकर का निवास भी है। इसके बावजूद यहां स्थित क्लिनिक का संचालन शुरू न होना और सुरक्षा व्यवस्था का अभाव प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है। स्थानीय लोगों का कहना है,कि यदि समय पर क्लिनिक शुरू कर दिया गया होता, तो न केवल लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मिलतीं बल्कि भवन की सुरक्षा भी बेहतर होती। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और संभावित कारणों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इस मामले का खुलासा किया जाएगा।

स्थानीय लोगों में आक्रोश

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह महज एक दुर्घटना थी या किसी बड़ी साजिश का हिस्सा।

स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए

फिलहाल हमर क्लिनिक योजना की स्थिति और इस आगजनी की घटना ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है।

राज्यपाल रमेन डेका प्लेसमेंट नामा के समापन समारोह में हुए शामिल

'मैं' से 'हम' की यात्रा ही कामयाबी की कुंजी- राज्यपाल

समारोह में युवाओं को दी सफलता की सीख, युवाओं को प्रदान किया गया जॉब लेटर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

प्रदेश के राज्यपाल रमेन डेका दुर्ग और भिलाई के एक दिवसीय प्रवास पर रहे। इस दौरान राज्यपाल ने रूंगटा इंटरनेशनल स्किल यूनिवर्सिटी, भिलाई में आयोजित भव्य कार्यक्रम सच हुए सपने में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। यह कार्यक्रम युवाओं के लिए आयोजित किए गए विशाल रोजगार मेले प्लेसमेंटनामा के गौरवशाली समापन का प्रतीक था। इस दौरान राज्यपाल श्री डेका ने प्लेसमेंट के द्वारा चयनित युवाओं को जॉब लेटर प्रदान किया।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि सपने वे नहीं होते जो हम सोते समय देखते हैं, बल्कि सपने वे हैं जो हमें सोने नहीं देते। उन्होंने इस बात पर हर्ष व्यक्त किया कि सच हुए सपने के माध्यम से 1,702 मेधावी युवाओं को सम्मानजनक रोजगार प्राप्त हुआ है, जो राज्य के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में 'प्लेसमेंटनामा' की सफलता के आंकड़ों की सराहना करते हुए बताया कि इस पांच दिवसीय आयोजन में 10,842 युवाओं ने पंजीयन कराया और लगभग 7,000 साक्षात्कार हुए। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज का युग केवल डिग्री का नहीं, बल्कि दक्षता, आत्मविश्वास और व्यावहारिक सोच का है। युवाओं को सफलता का मंत्र देते हुए राज्यपाल ने तीन महत्वपूर्ण बातें साझा कीं- निरंतर सीखने की जिज्ञासा बनाए रखना, ईमानदारी व स्पष्टता को अपनाना और 'मैं' से 'हम' की टीम भावना को विकसित करना। उन्होंने कहा कि जब संस्थान, उद्योग और सरकार मिलकर काम करते हैं, तो ऐसे ही असाधारण परिणाम प्राप्त होते हैं।

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि इस आयोजन में तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों क्षेत्रों की कंपनियों का उत्साहजनक सहयोग रहा। आईटी सेक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और कोर इंडस्ट्री की समान भागीदारी ने यह साबित कर दिया है कि छत्तीसगढ़ का युवा हर क्षेत्र में नेतृत्व करने के लिए तैयार है। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में एचआर प्रतिनिधियों की उम्मीदें बदल चुकी हैं।

अब केवल हाँ में हा मिलाने से नौकरी नहीं मिलती, बल्कि विषय का गहन ज्ञान और व्यक्तित्व में झलकने वाला आत्मविश्वास ही आपकी असली पहचान है। युवाओं को भविष्य के लिए तैयार रहने का आह्वान करते हुए राज्यपाल ने कहा कि रिक्रूटर्स बेहद स्मार्ट होते हैं जो चंद मिनटों में आपकी क्षमता को परख लेते हैं। इसलिए आपकी आंखों का आत्मविश्वास और भाषा की स्पष्टता ही आपका भविष्य तय करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिग्री केवल एक शुरुआत है, असली शिक्षा जीवन के अनुभवों से आती है। जो व्यक्ति सीखना बंद कर देता है, उसके विकास के द्वार बंद हो जाते हैं।

राज्यपाल ने जोर देकर कहा कि ईमानदारी और स्पष्टता सबसे बड़ी ताकत है; जो नहीं आता उसे स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि एक मजबूत व्यक्तित्व की निशानी है। उन्होंने इस बात की सराहना की कि 'प्लेसमेंटनामा' का यह मॉडल पूरे देश के लिए एक उदाहरण बन सकता है, जहाँ शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहकर सीधे रोजगार और राष्ट्र निर्माण से जुड़ती है। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आपकी सफलता ही 'नए छत्तीसगढ़' और 'नए भारत' की नींव है। स्वयं पर अटूट भरोसा रखें, क्योंकि आज का आपका सपना ही कल के भारत का गौरव बनेगा। इस अवसर पर कलेक्टर अभिजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, विधायक रिसाली रिकेस सेन, विधायक भिलाई नगर देवेन्द्र यादव, चांसलर संतोष रूंगटा एवं संजय रूंगटा, वाइस चांसलर जवाहर सुनील सेट्ठी, रूंगटा यूनिवर्सिटी के फेकल्टी सहित बड़ी संख्या में अभिभावक व युवा उपस्थित थे।

आयुक्त ने किया जोन 02 का निरीक्षण, विकास कार्यों की गुणवत्ता व समयसीमा पर दिया जोर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पांडेय ने जोन 02 कुरूद क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुंदर विहार में निर्माणाधीन सीसी रोड, खेल मैदान, कृष्णकुंज उद्यान और क्षेत्र के तालाबों की जलभराव स्थिति का जायजा लिया। आयुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनहित के कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

आयुक्त ने सड़क निर्माण की मोटाई और प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने संबंधित ठेकेदार और इंजीनियरों को निर्देशित किया कि कार्य को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करें ताकि स्थानीय नागरिकों को आवागमन में असुविधा न हो। कृष्ण कुंज उद्यान के रखरखाव और पौधों के संरक्षण हेतु आयुक्त ने सिंचाई व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए पौधों को नियमित पानी मिलना सुनिश्चित किया जाए। विद्युत संबंधी कनेक्शन करने जोन आयुक्त को निर्देशित किया गया है ।

जल संकट की स्थिति को देखते हुए क्षेत्र के तालाबों को नहर के पानी से भरने के कार्य की समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र के सभी प्रमुख तालाबों में पर्याप्त जल स्तर बनाए रखें ताकि निस्तारी कार्य सुचारू रूप से चल सके। निरीक्षण के दौरान जोन क्रमांक 02 के प्रभारी जोन आयुक्त अरविन्द शर्मा, सहायक अभियंता स्वेता वर्मा, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर साहनी, स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह एवं अन्य निगम अधिकारी उपस्थित रहे।

मानसून से पहले संबंधित कार्य पूर्ण कर लिए जाए

"निगम क्षेत्र के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की मॉनिटरिंग लगातार की जा रही है। हमारा लक्ष्य है कि मानसून से पहले बुनियादी ढांचे और जल संचयन से संबंधित सभी कार्य पूर्ण कर लिए जाएं।"

राजीव कुमार पांडेय, आयुक्त, नगर पालिक निगम भिलाई

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100